RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 120 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 12 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

दंतेवाड़ा में नक्सलियों ने कर दी पूर्व सरपंच की हत्या, धारदार चाकू गोदकर मारा

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों ने पूर्व सरपंच की हत्या कर दी है जिले के बारसूर थाना क्षेत्र के हितामेटा गांव के पूर्व सरपंच रामधर आलमी (50) की नक्सलियों ने चाकू मार कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि रामधर आलमी पारवारिक कार्य से नारायणपुर गए हुए थे। हांदावाड़ा जलप्रपात के पास नक्सलियों ने शनिवार रात को रामधर की हत्या कर दी। नक्सलियों ने एक पर्चा फेंका जिसमें पूर्व सरपंच पर कई आरोप लगाए।

मिली जानकारी के अनुसार हितामेटा गांव के पूर्व सरपंच रामधर आलमी शनिवार को नारायणपुर थुलथुली गांव गया हुआ था। यहां हांदावाड़ा जलप्रपात के पास एक गांव में पारिवारिक कार्यक्रम था। यहीं पर नक्सलियों ने उसकी हत्या कर दी। नक्सलियों ने चाकूगोदकर हत्या की और एक पर्चा फेंक कर भाग गए। पर्चे में पूर्व सरपंच पर पुलिस की सरेंडर पॉलिसी में सहयोग का आरोप लगाया है। साथ ही पुलिस मुखबिरी करने व बोदघाट परियोजना में पैसा खाने का आरोप लगाया गया है। नक्सलियों ने यह भी लिखा कि तीन बार समझाइश के बाद भी पूर्व सरपंच के व्यवहार में सुधार नहीं आया और वह लगातार जनविरोधी कार्य कर रहा है। इस हत्या की जिम्मेदारी नक्सलियों की पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने ली है। वहीं इस मामले में दंतेवाड़ा एसपी सिदार्थ तिवारी ने कहा पूर्व सरपंच की हत्या की गई है। नक्सलियों ग्रामीणों की हत्या कर दहशत फैलाना चाह रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बदले कई राज्यों के राज्यपाल

बिस्वा भूषण हरिचंदन होंगे छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, अनुसुइया उइके भेजी गई मणिपुर

नईदिल्ली (एजेंसी)। देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों के राज्यपाल बदल दिए हैं। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में विश्व भूषण हरिचंदन को नियुक्त किया किया गया है। वहीं अनुसुइया उइके को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया है। हरिचंदन वर्तमान में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल हैं। झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया है।

इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दो राज्यपालों का इस्तीफा मंजूर किया है। जिनमें भगत सिंह कोश्यारी व लद्दाख के उप-राज्यपाल राधाकृष्ण माथुर का नाम भी शामिल है। भगत सिंह कोश्यारी ने पिछले साल नवंबर में अमित शाह को चिट्ठी लिखकर अपने पद से इस्तीफा देने की इच्छा जाहिर की थी। झारखंड के गवर्नर रमेश बैस महाराष्ट्र के नए राज्यपाल बनाए गए हैं। जिन राज्यों में राज्यपाल बदले गए हैं उनमें से 9 राज्यों में इसी साल विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इनमें पूर्वोत्तर के चार राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम में चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वहीं मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़, कर्नाटक और तेलंगाना में भी इसी साल चुनाव होने हैं।

इन राज्यों में बदले गए राज्यपाल

नई नियुक्तियों के तहत लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक को अरुणाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है। इसी प्रकार लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सिक्किम का राज्यपाल, सीपी राधाकृष्णन को झारखंड का राज्यपाल, गुलाब चंद कटारिया को असम का राज्यपाल, शिव प्रताप शुक्ला को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल, रिटायर्ड ब्रिगेडियर डॉ. बीडी मिश्रा को लद्दाख का उप-राज्यपाल, जस्टिस एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल, एलए गणेशन को नगालैंड का राज्यपाल, फागू चौहान को मेघालय का राज्यपाल तथा राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

जानिए कौन है विश्व भूषण हरिचंदन

84 वर्षीय विश्व भूषण हरिचंदन ओडिशा के भुवनेश्वर और चिल्का विधानसभा से 5 बार विधायक रह चुके हैं। विश्व भूषण ने 1971 में जनसंघ के साथ अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था, जिसके बाद 1977 में जनता पार्टी बनने तक वे जनसंघ के आंध्र महासचिव रहे। इसके साथ ही हरिचंदन जनसंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य भी रहे। 1980 से 1988 तक वे बीजेपी की प्रदेशाध्यक्ष भी रहे। उन्होंने 2004 में आंध्र प्रदेश की बीजेपी और बीजेडी सरकार में कैबिनेट मंत्री के तौर पर भी काम किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दी शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल नियुक्त होने पर विश्व भूषण हरिचंदन को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने ट्विट कर कहा कि महामहिम राष्ट्रपति ने विश्व भूषण हरिचंदन जी को छत्तीसगढ़ का नया राज्यपाल नियुक्त किया है। उन्हें ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएँ। मैं छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से हमारे नए संवैधानिक अभिभावक का स्वागत करता हूं।

प्रदेश कांग्रेस चीफ मरकाम ने जेपी नड्डा पर साधा निशाना, बस्तर में फिर झूठ परोस गए भाजपा अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के जगदलपुर दौरे पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने उन्हें जमकर घेरा और कई सवाल करते हुए निशाना साधा। इस क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बस्तर में दिये गये भाषण में गलत बयानबाजी कर छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों का अपमान किया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बस्तर में फिर से झूठ परोसा। 15 साल के भाजपा के कुशासन और बस्तर के शोषण के लिये नड्डा ने माफी नहीं मांगकर बस्तरवासियों के जले पर नमक छिड़का है।

नड्डा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बलात्कार के मामले बढ़े हैं जबकि खुद उनके केन्द्र सरकार के गृह विभाग से जारी एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं छत्तीसगढ़ में बलात्कार के मामलों में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद आधा हो गये है। खुद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री इस बात को मानते हैं कि राज्य में नक्सल घटनाओं में 80 प्रतिशत की कमी आई है उसके बाद स्वयं भाजपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठा झूठ कैसे बोल सकता है? डकैती, हत्या, अपहरण जैसे अपराधों में भी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद कमी आई है।

नहीं निभाया वादा : मोहन मरकाम

उन्होंने कहा कि साल 2014 लोकसभा चुनाव में मोदी ने प्रदेश में आकर जनता से वादा किया था कि केंद्र में उनकी सरकार बनेगी तो सभी के खाते में 15-15 लाख रुपए आएंगे। बीते 8 साल से प्रदेश की जनता 15 लाख रुपए खाते में आने का इंतजार कर रही है। किस तारीख को पैसा जनता के खाते में ट्रांसफर होगा? दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने का वादा था 8 साल में प्रदेश के 43 लाख युवाओं को रोजगार मिलना था जो अब तक केंद्र सरकार ने नहीं दिया है।

आरक्षण संशोधन विधेयक पर चुप्पी क्यों?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आरक्षण संशोधन विधेयक पर क्यों चुप रहे। जे.पी नड्डा आदिवासियों का 32 प्रतिशत आरक्षण, एसटी का 13 प्रतिशत, ओबीसी का 27 प्रतिशत, इडब्लूएस का 4 प्रतिशत आरक्षण भाजपा के षडयंत्र के कारण राजभवन में लंबित है। उस पर भाजपाध्यक्ष कुछ बोलने का साहस क्यों नहीं दिखाये? मरकाम ने कहा कि मोदी सरकार के चुनावी वायदों पर जे.पी नड्डा क्यों चुप रहे? मोदी सरकार को 9 साल पूरे होने को है जनता अभी तक अच्छे दिन के सपने देखते-देखते थक गयी।

सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाएंगे निवेशक, निवेश और रोजगार बनेंगे मिशन 2024 के हथियार

लखनऊ (एजेंसी)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए मिलने वाला निवेश और रोजगार मोदी-योगी सरकार के लिए मिशन 2024 में बड़े हथियार बनेंगे। लोकसभा चुनाव से ठीक एक वर्ष पहले हुई समिट में रिकॉर्ड 32.92 लाख करोड़ के निवेश और 92 लाख से अधिक लोगों को रोजगार का दावा कर सरकार ने न सिर्फ प्रदेश के एमएसएमई और पारंपरिक उद्योग से जुड़े बड़े वर्ग को साधने की कोशिश की है, बल्कि रोजगार के जरिए युवाओं को भी साधने की कोशिश की है।

प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों व एमएसएमई के विकास की संभावना को समझते हुए योगी सरकार ने 2018 में पहली बार इन्वेस्टर्स समिट कराई थी। इसके बाद ओडीओपी योजना लागू कर जिले तक पहुंच बनाई। फिर पारंपरिक उद्योगों से जुड़े लोगों और जातियों को जोड़ा। इसके बाद इन्हें विस्तार देते हुए इस बार सरकार ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की। सभी 75 जिलों में एक साथ समिट आयोजित कराकर सांसदों की मौजूदगी में निवेशकों ने जिलों में भी बड़े पैमाने पर एमओयू किए। एमएसएमई में 1.34 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश मिलने की उम्मीद है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सर्वाधिक निवेश के एमओयू हुए हैं। सरकार ने हर विधानसभा क्षेत्र में रोजगार मेले लगाकर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की भी तैयारी की है।

सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाएंगे निवेशक

पीएम मोदी ने 2023-24 के बजट में अपनी सात प्राथमिकताओं में ग्रीन ग्रोथ को भी शामिल किया है। समिट के दौरान दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी, कुमार मंगलम बिड़ला और एन. चंद्रशेखरन ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश की बात की। तीनों ने यूपी की अर्थव्यवस्था को दस खरब डॉलर बनाने में भी सहयोग का भरोसा दिया। वहीं अंबानी ने लक्ष्मणपुरी, प्रभु श्रीराम की धरती और नदियों के संगम का जिक्र किया। एन.चंद्रेशखरन ने प्रदेश के धार्मिक और आध्यात्मिक शहरों में पर्यटन विकास में सहयोग का भरोसा दिलाया। इससे स्पष्ट है कि निवेशक सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाएंगे।

भारत-पाकिस्तान का बड़ा मैच आज हरमनप्रीत के नेतृत्व में पूरी टीम तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में रविवार को भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार इस मैच को शाम 6:30 बजे से देखा जा सकेगा। मैच का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जा रहा है। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम जीत के लिए पूरी तरह से तैयार है।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करने जा रही है। आज भारत का सामना पाकिस्तान से है। मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के हाथों में होगी। वहीं बिस्माह मारूफ पाकिस्तान टीम की कमान संभालेंगी। क्रिकेट फैन्स को भारत और पाकिस्तान के इस मैच का इंतजार है। पाकिस्तान के खिलाफ इस महामुकाबले से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लग चुका है। उप-कप्तान स्मृति मंधाना उंगली की चोट के चलते इस मुकाबले का हिस्सा नहीं होगी।

स्मृति मंदाना के बिना भी भारतीय टीम काफी मजबूत दिख रही है। अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली शेफाली वर्मा व जेमिमा रोड्रिग्स बैटिंग आर्डर की कमान संभालेंगी। भारत और पाकिस्तान की महिला टीम के बीच अब तक 13 टी20 मुकाबले हुए हैं. भारत ने इस दौरान 10 मैचों में जीत हासिल की है, वहीं पाकिस्ता ने तीन मुकाबले जीते हैं। इस विश्वकप में भारतीय टीम का पलडा भारी लग रहा है। भारतीय टीम के सामने आस्ट्रेलिया की चुनौती सबसे बड़ी है।

भारतीय सेना के अस्पताल में हो रहा भूकंप प्रभावितों का इलाज, राजदूत बोले-लोगों की मदद के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूकंप प्रभावित तुर्किये की मदद के लिए भारत ने ऑपरेशन दोस्त शुरू किया है। जिसके तहत एनडीआरएफ और भारतीय सेना के जवान तुर्किये पहुंच चुके हैं और वहां राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। भारतीय सेना ने तुर्किये में भूकंप प्रभावित लोगों के इलाज के लिए एक फील्ड अस्पताल भी बनाया है। तुर्किये में भारत के राजदूत विरेंद्र पॉल ने बताया कि भारत से पांच सी-17 एयरक्राफ्ट तुर्किये पहुंच चुके हैं। अभी लोगों को खोजने और बचाने के साथ ही उन्हें चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराना प्राथमिकता है। एनडीआरएफके 101 जवान भूकंप का केंद्र रहे गजियांटेप इलाके में राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं।

कुम्हारी। कुम्हारी जंजगिरी मोड़ पर छत्तीसगढ़ कला म्यूरल आर्ट बनाया गया है। इसको बनाने के लिए 5 लोगों की टीम ने 3 महीने में नगर पालिका निगम द्वारा पूरा किया है। इस कलाकृति में छत्तीसगढ़ कला संस्कृति को दर्शाया गया है जिसमें राउत नाचा, खेती किसानी, पंथी नृत्य, सुआ, गेड़ी आदि परंपराओं को दर्शाया गया है। इसे बनाने वाले कलाकार का नाम रूपेश कुमार, लक्ष्मण कुंभकार है।
फोटो जर्नलिस्ट-गौकरण निषाद

अब तो लगा ही डालो नाना का नाम

श्रीकंचनपथ

आयरन लेडी इंदिरा गांधी के सरनेम को लेकर उठा विवाद अब तक थमा नहीं है। इसका उपयोग देश के इस शीर्ष राजनीतिक परिवार को बदनाम करने के लिए समय-समय पर किया जाता रहा है। तमाम लेखकों ने इसे लेकर अलग-अलग किस्म के आरोप भी लगाए हैं और कल्पना के तार को जहां तक खींच सकते थे, खींचकर तोड़ भी चुके हैं। संकीर्ण सोच वाले रूढ़िवादी विचारधारा के लोगों का यह फेवरेट पासटाइम रहा है। व्यक्ति किससे विवाह करता है, कौन सा सरनेम रखता है, यह निहायत ही उसका व्यक्तिगत मामला है। देश के अधिकांश राज्यों में विवाह के बाद युवतियां पति का सरनेम स्वीकार कर लेती हैं। इन राज्यों में मान्यता है कि बेटा ही वंश को बढ़ाएगा। इन्हीं राज्यों में बेटे की चाह में बेटियों को कोख में मारा जाता रहा है। कुछ राज्यों में तो स्थिति इतनी बिगड़ी है कि अब बेटों को बीवियां नहीं मिल रही। कुछ दक्षिणी राज्यों में मां का सरनेम आगे बढ़ाया जाता है। वैसे अब न्यू जनरेशन की बीवियां दोनों सरनेम यूज करने लगी हैं। एक-एक नाम के साथ दो-दो सरनेम जुड़ने लगे हैं। वैसे सरनेम का मामला सनातन नहीं है। साधु संन्यासियों के भी नाम बदल जाते हैं, सरनेम गायब हो जाता है। आजादी के बाद कुछ लोगों को मजबूरी में सरनेम रखना पड़ा। किसी ने जाति का, किसी ने गोत्र का सरनेम बना लिया। मोतीलाल नेहरू के पिता कौल कश्मीरी ब्राह्मण थे। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू उनके पुत्र थे। इंदिरा प्रियदर्शिनी उनकी बेटी थी। इंदिरा ने एक पारसी युवक फिरोज से विवाह किया। अंतरजातीय विवाह से कहीं राजनीतिक भूचाल न आ जाए, इसलिए महात्मा गांधी ने उन्हें अपना सरनेम दे दिया। इंदिरा और उनके बाद राजीव ने भी भारतीय परम्पराओं को ही आगे बढ़ाया। इंदिरा चली गईं, राजीव भी नहीं रहे पर उनके प्रभाव का भूत आज भी लोगों को सताता है। इसलिए रह-रहकर उनके विजातीय विवाह की बातें उठाई जाती हैं। कुछ लोगों पर इसका प्रभाव भी पड़ता है पर अधिकांश लोगों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वह 40 के दशक का भारत था जब हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई यहां तक कि कुछ अंग्रेज भी भारत की आजादी की पैरोकारी कर रहे थे। भारत आजाद हुआ, बबा मर गए तो खटिया की लड़ाई शुरू हो गई। अब हर कोई हक जता रहा है कि बबा का कमरा किसके हिस्से में आना चाहिए। इतिहास गवाह है कि संपत्ति अंत-पंत संभालता वही है जिसमें पुरुषार्थ होता है। भाइयों के इस झगड़े में वकीलों के अपने घर बन जाते हैं। पुरुषार्थ विहीन लोभियों के पास भुने चने तक नहीं बचते। भारतीय लोकतंत्र के लिए बेहतर यही है कि वे स्वयं को इस विरासत के योग्य साबित करें। वरना जब चने हाथ आएंगे तो मुंह में दांत न बचेंगे। सरनेम में क्या रखा है। पीएम ने कहा है तो रख लो नाना का सरनेम। क्या फर्क पड़ता है।

संपादकीय

पेंशन की फांस

पिछले दिनों गैर-भाजपा शासित राज्यों ने पुरानी पेंशन योजना को लागू करके जो राजनीतिक ब्रह्मास्त्र चलाया है, उससे केंद्र की भाजपा सरकार सांसत में है। आर्थिक सुधारों व वित्तीय संतुलन की कवायद के बीच पुरानी पेंशन के देशव्यापी बोझ से अर्थव्यवस्था के दबाव में आने की आशंका जाने-माने अर्थशास्त्री जता रहे हैं। पिछले दिनों हिमाचल के चुनाव में ओल्ड पेंशन बड़ा सियासी मुद्दा बना, भाजपा ने उसकी कीमत भी चुकाई। बताते हैं कि पेंशन योजना लागू होने से राज्य पर नई पेंशन के मुकाबले चार गुना वित्तीय बोझ बढ़ेगा। ऐसे में पहले ही कर्ज में डूबी सरकारें वित्तीय सुशासन स्थापित कर पाएंगी, इस बात में संदेह है। वहीं केंद्र की तरफ से कोई वित्तीय सहयोग की बात नहीं कही गई है। पिछले दिनों कांग्रेस शासित राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल व पंजाब सरकार ने पुरानी पेंशन योजना लागू की है। दरअसल, 18 साल पहले पुरानी पेंशन योजना को बदलकर नई पेंशन योजना को लागू किया गया। पुरानी पेंशन का निर्धारण मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर होता था। जबकि नई पेंशन योजना हेतु कर्मचारी के वेतन से काटे गये अंश से ही पेंशन दी जाती है। उसकी कोई न्यूनतम सीमा नहीं होती है और सेवा अवधि कम होने पर यह थोड़ी रह जाती है। कर्मियों के वेतन से कटे पैसे का पचासी फीसदी सरकारी प्रतिभूतियों तथा बाकी पंद्रह फीसदी खुले बाजार में निवेश किया जाता है, जिसकी आय से कर्मियों को पेंशन का भुगतान होता है। निस्संदेह, जीवन भर नौकरी के जरिये सेवा करने वाले व्यक्ति को बुढ़ापे के लिये आर्थिक संरक्षण जरूरी है। ये लोककल्याणकारी सरकारों का दायित्व भी होता है। लेकिन लोककल्याण का मतलब ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि देश की हालत श्रीलंका व पाकिस्तान जैसी हो जाए। इस योजना से कर्मचारियों में उत्साह है और अन्य राज्यों में भी कर्मचारी संगठन इसे लागू करवाने के लिये दबाव बना रहे हैं। चिंता जताई जा रही है कि कहीं ये मुद्दा अगले आम चुनाव में भाजपा के लिये मुश्किलें पैदा न कर दे। वहीं दूसरी ओर देश के कई जाने-माने अर्थशास्त्री और योजना आयोग के पूर्व डिप्टी चेयरमैन मोंटेक सिंह अहलूवालिया ओल्ड पेंशन योजना को अव्यावहारिक व भविष्य में आर्थिक कंगाली लाने वाला बता चुके हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा कि इसका परिणाम यह होगा कि दस साल बाद वित्तीय अराजकता पैदा हो जाएगी। उनके बयान के बाद इस मुद्दे पर नये सिरे से बहस छिड़ गई है। कांग्रेस की मनमोहन सरकार के दौरान योजना आयोग के डिप्टी चेयरमैन रहे अहलूवालिया नब्बे के दशक के बाद के तीन दशकों में देश के आर्थिक सुधार कार्यक्रमों से गहरे तक जुड़े रहे हैं। वे लुभावनी राजनीति करने वाले नेताओं को चेता चुके हैं कि एक अर्थशास्त्री के नाते मैं कहूंगा वे ऐसे कदम उठाने से बचें जो भविष्य में वित्तीय तबाही के कारक बन सकते हैं। दरअसल, अर्थशास्त्री मानते हैं कि देश की जनता को जागरूक करने की जरूरत है कि इस फैसले की भविष्य में हमें कीमत चुकानी पड़ेगी और विकास के हिस्से का धन गैर-उत्पादक कार्यों में खर्च होगा। कर्मचारियों को तो इसका लाभ होगा, लेकिन देश का बड़ा तबका उसकी कीमत चुकाएगा। केंद्र सरकार पर इसको लागू करने का दबाव होगा, लेकिन साथ ही इसके दूसरे पक्ष को भी लोगों को समझना चाहिए। आर्थिक पंडितों का मानना है कि राजनीतिक तौर पर लिये गये गैरजिम्मेदार फैसले की कीमत आगे आने वाली पीढ़ी को चुकानी पड़ सकती है। सर्वविदित है कि पेंशन का मामला राज्य सरकारों के अधीन होता है। राज्यों को इसी तरह उसके कार्यक्षेत्र में आने वाले कानून-व्यवस्था तथा बिजली आपूर्ति में सुधार के जरिये लोगों के जीवन में राहत लाने का प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, राजनीतिक व सामाजिक स्तर पर इस बड़े मुद्दे पर अखबारों व अन्य मीडिया के जरिये देश के व्यापक आर्थिक हितों को लेकर रचनात्मक बहस होनी चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि देश व राज्य के दीर्घकालिक भविष्य के लिये क्या जरूरी है। ऐसा न हो कि हमने पिछले दशकों में आर्थिक सुधारों से जो कामयाबी हासिल की है, उसकी दिशा उलटी हो जाये।

" चिंता जताई जा रही है कि कहीं ये मुद्दा अगले आम चुनाव में भाजपा के लिये मुश्किलें पैदा न कर दे। वहीं दूसरी ओर देश के कई जाने-माने अर्थशास्त्री और योजना आयोग के पूर्व डिप्टी चेयरमैन मोंटेक सिंह अहलूवालिया ओल्ड पेंशन योजना को अव्यावहारिक व भविष्य में आर्थिक कंगाली लाने वाला बता चुके हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा कि इसका परिणाम यह होगा कि दस साल बाद वित्तीय अराजकता पैदा हो जाएगी।

प्रत्यारोप जवाब नहीं होते

राहुल गांधी और महुआ मोइत्रा ने कुछ ठोस सवाल पूछे हैं। बेहतर नजरिया यह होता कि इन प्रश्नों के ठोस जवाब देश के सामने प्रस्तुत किए जाते। लेकिन- जैसाकि सत्ताधारी दल और उसके समर्थक इकॉ-सिस्टम का तरीका रहा है- उन्होंने जवाबी आरोपों की झड़ी लगा दी है। देश-दुनिया में बहुत सी बातें अनुभवजन्य होती हैं। उनके कोई लिखित सबूत नहीं होते, लेकिन इनसान उसमें इसलिए भरोसा करता है, क्योंकि उसके पास ऐसा करने के कारण होते हैं। इसी तरह कई मामलों में साक्ष्य ठोस नहीं, बल्कि परिस्थितिजन्य होते हैँ। ऐसे सबूतों को तो न्यायिक निर्णयों में भी अहमियत दी जाती है। राहुल गांधी ने लोकसभा में दिए अपने भाषण में गौतम अडानी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिश्तों और अडानी साम्राज्य खड़ा होने के पीछे उसके हाथ की जो लंबी चर्चा की, वह अनुभवजन्य और परिस्थितिजन्य चर्चाओं के आधार पर ही की। उन्होंने जो कहा, उसमें कोई नई बात नहीं है। बल्कि न सिर्फ आम चर्चाओं, बल्कि देशी-विदेशी मीडिया में भी उनकी बात होती रही है। अब जबकि अडानी घराने के ऊपर हिंडनबर्ग रिपोर्ट से कई गंभीर आरोप सामने आए हैं और देश की विनियामक संस्थाओं पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं, तो जाहिर है, उन चर्चाओं ने भी गंभीर रूप ले लिया है। राहुल गांधी या महुआ मोइत्रा ने इन्हें ही सिलसिलेवार ढंग से सदन में रखा है।

दोनों ने प्रधानमंत्री और सरकार कुछ ठोस सवाल पूछे हैं। बेहतर नजरिया यह होता कि इन प्रश्नों के ठोस जवाब देश के सामने प्रस्तुत किए जाते। लेकिन- जैसाकि सत्ताधारी दल और उसके समर्थक इकॉ-सिस्टम का तरीका गुजरे वर्षों में रहा है- उन्होंने जवाबी आरोपों की बौछार लगा दी है। महुआ मोइत्रा ने सदन में कहा कि सोशल मीडिया पर उन्हें एक अमेरिकी बैंक, चीन और यहां तक कि अंबानी का एजेंट बताया जा रहा है। राहुल गांधी का भाषण भी खत्म होते ही उन पर जवाबी हमलों की झड़ी लगा दी गई। लेकिन सरकार और सत्ता पक्ष को यह समझना चाहिए कि विपक्ष की छवि नष्ट करने से वे सवाल गायब नहीं होंगे, जो उसकी तरफ से उठाए गए हैँ। इससे सत्ता पक्ष अपने समर्थक जमात को टॉकिंग प्वाइंट्स मुहैया करा सकता है और अपने संभावित चुनावी नुकसान को सीमित कर सकता है, लेकिन ऐसे तरीकों से हिंडनबर्ग रिपोर्ट से भारतीय कारोबार जगत को लेकर दुनिया भर में जो संदेह पैदा हुआ है, उस साये को छांटना संभव नहीं होगा।

" साढ़े छह दशक बीत जाने के बावजूद हम एक बार फिर एलआईसी पर लगभग समान आरोप देख रहे हैं। एलआईसी न तब डूबी, न अब डूबेगी, मगर उसके भरोसे पर एक बार फिर चोट हुई है।

अंतहीन प्रहसन की अडानी कड़ी

शशि शेखर

इतिहास स्वयं को दोहराता है, पहले त्रासदी के रूप में और फिर प्रहसन के रूप में। कार्ल मार्क्स का यह ऐतिहासिक कथन इन दिनों रह-रहकर मेरे दिमाग पर दस्तक देता है। वजह? गए 66 साल से हम भारतीय राजनीति में कुछ प्रहसनों का रह-रहकर दोहराव देखने को अभिशप्त हैं। देश-दुनिया के प्रमुख औद्योगिक समूह अडानी और उसके सियासी रिश्तों पर जारी विवाद इस अंतहीन प्रहसन श्रृंखला की अगली कड़ी है।

अपनी बात समझाने के लिए मुझे आपको 1957 के वैचारिक अंधड़ से आक्रांत दिनों की ओर ले चलना होगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के प्रधानमंत्री हुआ करते थे और फिरोज गांधी उनके इकलौते दामाद। फिरोज ने लोकसभा में एक दमदार भाषण के जरिये आरोप लगाया था कि कोलकाता के उद्योगपति और स्टॉक सट्टेबाज हरिदास मूंदड़ा की छह खस्ता हाल कंपनियों में सरकारी कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एलआईसी) ने सवा करोड़ रुपये से अधिक निवेश किया है। फिरोज गांधी का कहना था कि वित्त मंत्री टीटी कृष्णमचारी और वित्त सचिव एचएम पटेल ने एलआईसी पर इस निवेश के लिए दबाव बनाया। नेहरू ने मामले की जांच के लिए बंबई उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एम सी छागला की सदारत में समिति का गठन किया। छागला ने रिकॉर्ड 24 दिनों में सुनवाई कर रिपोर्ट दी और कृष्णमचारी को 18 फरवरी, 1958 को इस्तीफा देना पड़ा। बाद में मूंदड़ा गिरफ्तार हुए और उन्हें 22 वर्षों की जेल की सजा सुनाई गई।

बताने की जरूरत नहीं कि जवाहरलाल नेहरू बेदाग थे, मगर उनकी भी साफ-शफ्फाफ छवि पर कुछ दिनों के लिए ग्रहण जरूर लग गया था। साढ़े छह दशक बीत जाने के बावजूद हम एक बार फिर एलआईसी पर लगभग समान आरोप देख रहे हैं। एलआईसी न तब डूबी, न अब डूबेगी, मगर उसके भरोसे पर एक बार फिर चोट हुई है। आप चाहें, तो इसे भारतीय राजनीति की कभी न खत्म होने वाली त्रासदी कह सकते हैं।

ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि जवाहरलाल नेहरू से नरेंद्र मोदी तक तमाम प्रधानमंत्रियों पर ऐसे ही आरोप लगे हैं। इंदिरा गांधी को तो 3 अक्तूबर,1977 को दिल्ली में गिरफ्तार तक कर लिया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने चुनाव प्रचार के लिए 104 जीप हासिल करने हेतु दो कंपनियों पर दबाव डाला। इसके अलावा तेल खुदाई का एक बड़ा ठेका कम बोली वाली प्रतिस्पर्द्धी कंपनियों की अनदेखी कर एक फ्रांसीसी कंपनी को देने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। अगले दिन उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, पर अदालत के सामने सीबीआई पर्याप्त सुबूत न पेश कर सकी। नतीजतन, उन्हें महज 16 घंटों के भीतर रिहा करना पड़ा।

इंदिरा गांधी के पुत्र राजीव गांधी भी इस राजरोग से अछूते नहीं बचे। वह 1985 के शुरुआती दिनों में घोषित हुए चुनाव परिणाम में 414 सीटों के 'भूतो न भविष्यति' वाले आंकड़े को प्राप्त कर सत्ता-सदन में पहुंचे थे। अब तक उनका जीवन विवादों से परे था, पर स्टॉकहोम से आई एक खबर ने उनकी समूची छवि को गर्द-ओ-गुबार से घेर दिया। 24 मार्च, 1986 को भारत सरकार और स्वीडिश हथियार कंपनी एबी बोफोर्स के बीच 155 एमएम की 400 होवित्जर तोपों की आपूर्ति के लिए 1,437 करोड़ रुपए का सौदा हुआ था। 16 अप्रैल, 1987 को स्वीडिश रेडियो ने दावा किया कि इस सौदे में रक्षा विभाग के अधिकारियों और कुछ वरिष्ठ राजनेताओं को रिश्वत दी गई। 20 अप्रैल को राजीव गांधी ने संसद में सफाई दी कि इसमें किसी बिचौलिए की कोई भूमिका नहीं थी और न ही दलाली दी गई, पर विवाद थमा नहीं। तंग आकर सरकार ने अगस्त 1987 में संयुक्त संसदीय समिति का गठन कर दिया। बी. शंकरानंद इसके मुखिया थे। समिति ने एक सदस्य की नाइत्तेफाकी के बावजूद सरकार के पक्ष में रपट दी। हालांकि, सीबीआई की जांच का लंबा सिलसिला चला। बाद में 5 फरवरी, 2004 को दिल्ली हाईकोर्ट ने राजीव गांधी और रक्षा सचिव एस के भटनागर के खिलाफ रिश्वत के आरोप निरस्त कर दिए। अप्रैल 2012 में स्वीडिश पुलिस ने भी कहा कि राजीव गांधी और अमिताभ बच्चन के खिलाफ कोई सुबूत नहीं मिले।

राजीव गांधी के बाद सत्तारूढ़ हुए नरसिंह राव पर निजी भ्रष्टाचार के आरोप लगे और उन्हें पदमुक्त होने के बाद लंबे समय तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। अटल बिहारी वाजपेयी के काल में तथाकथित ताबूत घोटाले की गूंज हुई और मनमोहन सिंह के सहयोगियों को जेल की हवा खानी पड़ी। सुकून की अकेली बात यह है कि वाजपेयी अथवा सिंह के ऊपर निजी तौर पर भ्रष्टाचार के आरोप न थे।

अब मौजूदा विवाद की बात। जनवरी के तीसरे सप्ताह में अडानी के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग की एक रिपोर्ट आती है और तरह-तरह के आरोप हवा में उछलने लगते हैं। देखते-देखते अडानी समूह को लाखों करोड़ रुपये का घाटा उठाना पड़ जाता है। हालांकि, समूह अब उस संकट से उबरता हुआ नजर आ रहा है, पर राजनीति करवट ले चुकी है। राहुल गांधी ने अडानी और मोदी सरकार के बीच कथित संबंधों पर लोकसभा में तमाम तीखे सवाल खड़े किए। यह बात अलग है कि आरोपों को प्रमाणित न कर पाने के कारण लंबे भाषण के कुछ हिस्से कार्यवाही से हटा दिए गए हैं। इस कार्रवाई ने माननीय सांसदों के अधिकारों और दायित्वों पर नई बहस खड़ी कर दी है। कांग्रेस इसे लोकतंत्र की हत्या बता रही है, तो सत्ता पक्ष इसे सांसदों के गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर रोक के रूप में प्रचारित कर रहा है।

यकीनन, राहुल गांधी इस सारे मामले के जरिये प्रधानमंत्री मोदी को घेरने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। वह पहले भी ऐसा कर चुके हैं। पिछले चुनावों से पहले उन्होंने राफेल सौदे में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया था। उनकी सभाओं में नारे लगते थे- 'चौकीदार चोर है'। यह बात अलग है कि प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर लड़े गए दूसरे चुनाव में भाजपा ने पहले से ज्यादा सीटें जीतकर साबित कर दिया कि उन पर मतदाताओं का भरोसा डिगा नहीं, बढ़ा है। अब, जब अगले आम चुनाव में महज सवा साल का समय शेष है। इस दौरान संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के नेताओं का प्रयास होगा कि वे इस ढोल को ज्यादा से ज्यादा पीटें। क्या वे इस बार सफलता हासिल कर सकेंगे?

जहां तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सवाल है, वह एक ऐसे बल्लेबाज की तरह अविचल दिखाई पड़ रहे हैं, जो हर विधा की कठिन से कठिन गेंद आसानी से खेलने की क्षमता रखता है। लोकसभा और राज्यसभा में अपने भाषणों में उन्होंने इसीलिए एक बार भी इन आरोपों का जिक्र तक नहीं किया। उन्हें खुद पर और देश के 140 करोड़ लोगों के भरोसे पर भरोसा है।

मोदी को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने में जुटा विपक्ष अगर इस बार भी अपेक्षा के अनुरूप सफलता नहीं हासिल कर पाता, तो मार्क्स की उक्ति एक बार फिर खुद को चरितार्थ करती दिखाई पड़ेगी।

दादी की उस एक सीख ने जीवन हीरा बना दिया

हीराबाई लोबी, सामाजिक कार्यकर्ता

आजादी के बीते साढ़े सात दशक में हमारे मुल्क ने कितना लंबा सफर तय किया है, इसकी मुनादी देश के शिखर पदों पर अल्पसंख्यक और वंचित तबकों के लोगों की नियुक्तियां तो करती ही हैं, स्थानीय सरकारों में इनकी बढ़ती ताकत और हैसियत भी इसकी तस्दीक करती है। लेकिन इनसे परे भी कुछ नाम हैं, जो भारतीय गणतंत्र की बुलंदी को प्रतिबिंबित करते हैं। ऐसा ही एक नाम हीराबाई लोबी है। इस बार जब गणतंत्र दिवस के मौके पर नागरिक सम्मानों का एलान किया जा रहा था, तब उनमें एक नाम हीराबाई का भी था।

औपनिवेशिक काल में उनके पुरखे पुर्तगालियों व अरबों द्वारा नाइजीरिया से गुलाम बनाकर भारत लाए गए थे। वैसे ही, जैसे अंग्रेजों द्वारा हमारे पुरखों को अन्य देशों में ले जाया गया था। हीराबाई जिस सीदी समुदाय से आती हैं, वह इस्लाम में अपनी आस्था रखता है और यह जनजातीय समुदाय गुजरात के जूनागढ़ में गिर के इलाके में बसे गांवों में रहता है। आज से 63 साल पहले हीरा मधुपुर जंबूर गांव में पैदा हुईं। इनका बचपन बहुत गरीबी में बीता। मगर चूंकि पूरा गांव ही तब फूस के घरों में गुरबत को ओढ़ता-बिछाया करता था, इसलिए उसमें विषमता के दंश की पीड़ा आज जितनी नहीं थी। हां! छुटपन में एक कमी जरूर हीरा को सालती रही। जब वह बहुत छोटी थीं, तभी माता-पिता, दोनों का साया उनके सिर से उठ गया था। दादी ने उनकी निगहबानी की और उन्हें अपने कलेजे से लगाया। चूंकि यह वह दौर था, जब शहराती घरों की बेटियों के लिए ही स्कूल या पढ़ाई-लिखाई काफी मुश्किल थी, तो सुदूर गांवों और जनजातीय समुदायों में इनकी अहमियत कौन समझता-समझाता? अलबत्ता, दादी को खेतों में मजदूरी करते देख हीरा के भीतर श्रम का महत्व स्थापित होता गया।

वैसे तो, आजादी के बाद भारत सरकार ने अनुसूचित जनजाति के लोगों को खेती के लिए जमीनें आवंटित की थीं, मगर उनमें से कई लोगों ने उसे बेच दिया था, तब सरकार को ही उनके संरक्षण के लिए आगे आकर कानून बनाना पड़ा कि आदिवासियों की जमीन कोई और नहीं खरीद सकता। मगर जैसे-जैसे कुनबा बढ़ा, तो जमीनें भी कम पड़ती गईं और पेट भरने के लिए खेती के अलावा भी दूसरे रोजगारों की दरकार महसूस होने लगी थी। बजरिये रेडियो शहरी चकाचौंध की कहानियां जब गांवों में पहुंचीं, तो उनके बाशिंदों की भी आकांक्षाएं बढ़ीं।

इस बीच हीरा का निकाह हो चुका था, और वह तीन बच्चों की मां बन चुकी थीं। जाहिर है, बच्चों के मुस्तकबिल को लेकर उनकी भी फिक्र बढ़ रही थी। हीराबाई ने अपने पति को साफकह दिया था कि कोई भी कर्ज चुकाने के लिए वह खेत बेचने के बारे में भूलकर भी न सोचें, बल्कि कुछ ऐसा सोचें, जिससे कुछ अतिरिक्त आमदनी हो सके।

उन दिनों रेडियो पर खेती-किसानी से जुड़े कार्यक्रम प्रमुखता से प्रसारित हुआ करते थे। हीरा उन्हें बिना नागा सुना करतीं और उनमें बताए गए नुस्खे वह अपने खेतों में आजमाने लगीं। देखते-देखते ही वह उस स्थिति में पहुंच गईं, जब उनका परिवार पूरी तरह कर्जमुक्त हो गया। दरअसल, दादी का एक फलसफा हर मोड़ पर उनका मार्गदर्शन करता रहा। उन्होंने हीरा को एक बीजमंत्र दिया था, दुख में रोना नहीं और सुख देखकर रुकना नहीं। कर्ज से मुक्ति ने हीराबाई का आत्म-विश्वास बढ़ा दिया था। अब वह कुछ बड़ा करना चाहती थीं। वह जब भी खेतों में काम करने जातीं, तो वहां अक्सर गांव की औरतों की दुख-दर्द भरी कहानियां सुनती थीं। मर्द आपस में लड़ाई-झगड़ा करते और मामला पुलिस-कचहरी तक पहुंच जाता था। ऐसे में, मुश्किलें दोनों पक्षों की औरतों को उठानी पड़तीं। हीरा कई बार सोचतीं कि कुछ ऐसा होना चाहिए, जिससे औरतें खुदमुख्तार हो सकें।

यही वह समय था, जब उन्होंने जैविक खाद बनाने के लिए बैंक से कर्ज लिया। हालांकि, हीराबाई के इस फैसले में समुदाय के पुरुषों की रजामंदी शामिल नहीं थी, लेकिन सीदी महिलाओं ने उनका पूरा साथ दिया। जिस लगन और दृढ़ता के साथ हीरा ने काम शुरू किया था, उन्हें कामयाब होना ही था। उनका वर्मीकंपोस्ट निर्माण समूह आज सालाना सात लाख रुपये से अधिक की खाद बेचता है। हीराबाई की इस सफलता ने उन्हें न सिर्फ मधुपुर जंबूर में स्थापित कर दिया, बल्कि पूरे सीदी समुदाय में उनका रुतबा बढ़ा दिया। उन्होंने गांव के लोगों को प्रेरित किया कि वे खेतिहर मजदूरी के अलावा भी छोटा-मोटा अपना काम शुरू करें। उनकी प्रेरणा से कई गांव वाले जैविक खाद व नीम के तेल बनाने लगे, कुछ लोगों ने फल-सब्जियों का काम शुरू किया, तो कुछ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन से जुड़े।

अभाव की रात ढलने लगी थी, मगर गांव की नई नस्लों के लिए ज्ञान की रोशनी बहुत जरूरी थी। हीराबाई ने एक प्राइमरी स्कूल खोलने की खातिर गांव के लोगों को थोड़ी-थोड़ी जमीन दान करने के लिए राजी किया। स्कूल भी खुला और उसमें प्रशिक्षित शिक्षक भी नियुक्त किए गए। हीराबाई की बदौलत आज खेतिहर मजदूरों के बच्चों को भी बुनियादी शिक्षा उपलब्ध है। हीरा ने इलाके की महिलाओं के उत्थान के लिए कई तरह के सामुदायिक काम शुरू किए। उनके प्रयासों से चौदह गांवों की महिलाएं आज अपने पैरों पर खड़ी हैं।

हीराबाई के कारण हाशिये पर पड़े गांवों और समुदायों में आई जागृति को देश-दुनिया ने खूब सराहा। बिना किसी पद के ही गांव के लोग उन्होंने सरपंच कहते हैं, तो साल 2002 में ही स्विटजरलैंड की संस्था 'वीमेन्स वर्ल्ड समिट फाउंडेशन' उनको सम्मानित कर चुकी है। कई सारे सम्मान और तमगे उनके दामन में टंके हैं। अब तो इंतजार उस दिन का है, जब इंदिरा गांधी को अपना रोल मॉडल मानने वाली हीरबाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मानित करेंगी और पूरा देश उनके लिए तालियां बजाएगा।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

रोग से इतना डरकर नहीं चलेगा काम

बाबा आमटे,समाजसेवी

जहां प्रेम हो, वहीं सेवा भाव पनपता है और जहां सेवा भाव उर्वर होता है, वहीं प्रेम अंकुरित होने लगता है। प्रेम और सेवा, दोनों इंसानियत के ऐसे कुटीर हैं, जिनमें दुनिया की तमाम सच्ची आस्थाएं आश्रय पाती हैं। भारत की स्वतंत्रता में प्रेम और सेवा का जो स्थान है, उससे कौन इनकार कर सकता है? राजनीति को कुछ पल के लिए किनारे रख दीजिए, तो इसमें क्या दोराय है कि अपने समय में महात्मा गांधी ने भी प्रेम और सेवा का संदेश फैला रखा था। असंख्य युवा देशप्रेम व सेवा के लिए उमड़ आए थे, जिनका सियासत से कोई सरोकार न था, जिन्होंने साफ-सफाई व सेवा की हो अपना जीवन बना रखा था।

इस युवक के साथ भी ऐसा ही था। एक धनी जमींदार के बड़े बेटे के रूप में बचपन शानदार बीता था। अमीरी का जलवा ऐसा था कि साहबजादे चौदह की आयु में ही बंदूकधारी हो गए और भालू, हिरण मारने जंगल जाने लगे। थोड़े और बड़े हुए, तो सुंदर मोटरकार भी मिल गई, जिसमें तेंदुए की खाल से बने कुशन लगे थे। लेकिन, सब धरा रह गया, जब गांधीजी की पुकार कानों में पड़ी। 25-26 की उम्र में वह युवा समाजसेवा को समर्पित हो गया। मन में भय का एक कतरा न था। दबंगई ऐसी कि अंग्रेजों की आंखों में आंखें डाल रोष जताते पलकें न झुकती थीं। एक महिला की इज्जत बचाने के लिए एक अंग्रेज फंटूश से भिड़ गए थे, तब गांधीजी ने उन्हें 'अभय साधक' नाम दिया था। एक दिन यह 'अभय साधक' सफाई का काम निपटाकर घर लौट रहे थे। रात चढ़ चली थी। हल्की बारिश की झड़ी लगी हुई थी। तभी सड़क किनारे कुछ अजीब सरकता दिखाई दिया। लगा कि चिथड़ों का कोई गट्ठर चला जा रहा है। रुककर गौर किया, तो रूह कांप गई। एक इंसान था, कुष्ठ से त्रस्त काया अंतिम मुकाम पर थी। मानवीय रूप के तमाम अंग बूंद-बूंद टपक चुके थे। रिसती काया दारुण वीभत्सता को साकार कर रही थी। देख न सके, 'अभय साधक जी' भाग खड़े हुए।

भागकर जब एक ठिकाने पर खड़े हुए, तब महसूस किया कि जीवन में पहली बार

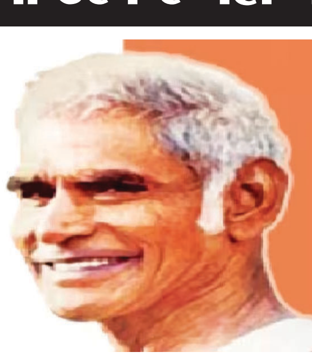

डर ने ढेर कर दिया है। सोचने लगे कि वह भागे क्यों? वह भी तो इंसान ही था, शायद परिवार, समाज ने उसे इस बारिश में घर से निकाल दिया! या हो सकता है, वह पहले ही घर से निकाल दिया गया हो और इसी तरह छिपकर जी रहा हो! जहां शरीर गल रहा हो, वहां वस्त्रों का क्या काम, तो वह छिपकर ही रहता होगा! शायद बारिश से बचने के लिए कोई जगह खोज रहा होगा! कोई जगह उसे नहीं मिल रही होगी! तो सड़क किनारे खुरदुरी झाड़ियों से सरकता गुजर रहा होगा! कितना दर्द सह रहा होगा! उसने भी बे-पुतली आंखों से देखा होगा, मेरे बारे में क्या सोचा होगा!

उस युवा का मन दुख से पिघलने लगा, धिक्कार है, दुख में पड़े एक इंसान को देख मैं भाग खड़ा हुआ, क्या यही इंसानियत है? वह दुख और रोग से कैसे डर गए? वह फिर उस रोगी की ओर लौट चले, हाथ में जूट का नरम टाट लिए, सोचते हुए कि वह रोगी दूर नहीं जा सका होगा। खैर, खोजने में परेशानी नहीं हुई। युवा ने देखते ही उसके शरीर पर टाट ओढ़ा दिया। टाट ओढ़ाते और रोगी से नजरें मिलाते ही डर गायब हो गया। रोगी का नाम तुलसीराम था, उससे हुई मुलाकात ने सोच की दिशा बदल दी। रोग एक पहलू ही तो है, उससे डरने से काम नहीं चलने वाला, उससे दो-दो हाथ करने में ही इंसानियत की जीत है। सबसे जरूरी है अपने भय को दूर करना, भय दूर होगा, तभी रोग से लड़ना या रोगी की सेवा संभव होगी। अगले छह महीने चिंता और विचार को समर्पित रहे। मंथन से यह नवनीत निकला कि जहां भय है, वहां प्रेम नहीं और जहां प्रेम नहीं, वहां ईश्वर भी नहीं। अब अपने दुख से निजात पाने की एक ही राह है, कुष्ठ पीड़ितों का साथ न छोड़ना और उनके भले के लिए काम करना। हो सके, तो रोग ठीक हो जाए और ठीक न हो, तो उन्हें कम से कम दर-दर भटकना न पड़े, शांति से अंतिम विश्राम मिले।

जब मन-हृदय में यह संकल्प बना, तब दुनिया में एक महान समाजसेवी बाबा आमटे का अवतरण हुआ। बाबा समझ गए थे कि इंसानों की दुर्दशा के प्रति जो उदासीनता है, वह मानसिक कुष्ठ रोग से कतई कम नहीं है, उससे समाज का निजात पाना जरूरी है। साल 1949 में मात्र छह कुष्ठ रोगियों और एक लंगड़ी गाय के साथ महारोगी सेवा समिति की उन्होंने नींव रखी। उन्होंने सेवा से एक स्वर्ग बना दिया, जिसे दुनिया ने आनंदवन नाम से पहचाना। बाबा आमटे (1914-2008) से सीखने वाले दुनिया में आज भी करोड़ों हैं। बाबा बार-बार कहते गए हैं, किसी भी रोग से ज्यादा संक्रामक है खुशी और अगर खुशी साझा नहीं की जाती है, तो समाप्त हो जाती है।

प्रस्तुति : ज्ञानेश उपाध्याय

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

चार दशक बाद जनता के बीच बैठे रूपलाल साहू पर मुख्यमंत्री की नजर पड़ी तो मंच पर बुलाया और भाव विह्ल होकर लगा लिया गले

जब दो दोस्तों की 43 साल बाद हुई भेंट-मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 43 साल बाद सही मायने में दो दोस्तों की भेंट–मुलाकात हो गयी । अरसे बाद जब दो दोस्तों का मिलन हुआ तो एक दूसरे के गले लग गये । ये नजारा देख वहां मौजूद सैकड़ों लोगों ने ताली बजाकर खुशी का इजहार किया । सभी के चेहरे पर खुशी आ गयी और दोनों ने एक दूसरे को गले लगा लिया । दरअसल मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल अभनपुर विधानसभा के तामासिवनी पहुंचे थे तभी उन्हें सामने जनता के बीच बैठे अपने मित्र रूपलाल साहू दिखायी दिये ।

चार दशक से भी अधिक समय के बाद मुख्यमंत्री ने अपने दोस्त को पहचान लिया उनूहोंने तत्काल उन्हें अपने पास बुलाया । करीब चार दशक बाद अपने दोस्त को सामने बैठा देख मुख्यमंत्री ने मंच में अपने पास बुलाकर गले लगा लिया और भाव विह्ल हो उठे । मुख्यमंत्री ने कहा आज 43 साल बाद मैं अपने मित्र से भेंट कर रहा हूं, जो मेरे रूम पार्टनर भी थे, आज वो गरियाबंद में प्रिंसिपल पद पर हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि तामासिवनी को बहुत समय से जान रहा हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन की योजनाओं का जमीनीस्तर पर क्रियान्वयन जानने के लिए मैं यहां पर आया हूं। उन्होंने किसानों से ऋण माफी और राजीव गांधी किसान न्याय योजना में मिली किस्त के संबंध में पूछा, जिस पर सभी ने हाथ उठाकर एक स्वर में 'हां' जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव गांधी न्याय योजना की किस्त विशेष अवसरों पर दी जाती है, ताकि आप अपनी जरूरत के हिसाब से उसे उपयोग कर सकें। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल शनिवार को सबसे पहले रायपुर जिले के ग्राम डंगनिया (चम्पारण) पहुंचे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। चंपारण में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने किया महाप्रभु वल्लभाचार्य और चम्पेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की और इसके पश्चात उन्होंने भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई भी दी। इस अवसर पर उन्होंने वन गमन परिपथ योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा क्रियान्वित श्री राम वाटिका एवं अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि राम वन गमन पथ को उत्कृष्ट बनाया जा रहा है। चंपारण को भी राम वन गमन पथ में जोड़ा गया है।

इस अवसर पर अभनपुर विधायक श्री धनेंद्र साहू, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की उपाध्यक्ष श्रीमती चित्ररेखा साहू भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से बात करते हुए श्री विजय कुमार साहू ने बताया कि ऋण माफी के तहत उनका 90 हजार रुपए का ऋण माफहुआ है। उन्होंने बताया कि मैं 75 क्विंटल धान बेच चुका हूं, सेकंड हैंड ट्रैक्टर भी खरीदा हूं। श्री हरीश चंद्र साहू ने बताया कि मैनें सेकंड हैंड ट्रैक्टर भी खरीदा है, मेरी 9 एकड़ जमीन है। उसने श्री बघेल से कहा कि जब से आपकी सरकार आयी है, तभी से खेती–किसानी का कार्य कर रहा हूं। पहले रेगहा देता था।

बंदोबस्त त्रुटि में निरंतर हो सुधार कार्यः सीएम भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर जिले के अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तामासिवनी और खोरपा में आम जनता से भेंट–मुलाकात के पश्चात शाम को अभनपुर विश्राम भवन में अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने गोधन न्याय योजना, रीपा, नरवा कार्यक्रम सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को आजीविकामूलक गतिविधियों से जोड़ने और नरवा के कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से भू-जल स्तर की जानकारी ली और नरवा कार्यक्रम को अनवरत जारी रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को बंदोबस्त त्रुटि में सुधार लाने, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य राजस्व कार्यों को भी नियमित रूप से करने के निर्देश दिए।

सुपोषण अभियान की समीक्षा में कुपोषित बच्चों के घर जाकर पोषण संबंधी जानकारी देने और गर्भवती महिलाओं की एनिमिया जांच कराने, खून की कमी पाये जाने पर इलाज की व्यवस्था कराने और हाट बाजार क्लिनिक योजना में अधिक से अधिक लोगों का निःशुल्क उपचार और अन्य सुविधाओ का लाभ दिलाने कहा। उन्होंने सड़कों की स्थिति, पीएचई विभाग से जल जीवन मिशन की प्रगति की भी समीक्षा की। अवैध शराब और ओव्हर रेट की शिकायत पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। इसी प्रकार अवैध मुरूम खनन की शिकायत पर सक्त कार्रवाई करने कहा। इस मौके पर अभनपुर विधायक धनेन्द्र साहू, मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमलसिंह परदेशी सहित रायपुर जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

अक्षय तृतीया पर गातापार में साहू समाज का सामूहिक आदर्श विवाह होगा

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन के कार्यकारिणी की बैठक बेल्हारी परिक्षेत्र के ग्राम गातापार(बेल्हारी) में आयोजित की गई। इसमें तहसील साहू संघ पाटन द्वारा सामूहिक आदर्श विवाह एवं विशाल कर्मा महोत्सव के 20वें वर्ष के आयोजन 21 और 22 अप्रैल को लेकर ग्राम गातापार में प्रस्तावित कार्यक्रम के बारे में गहन चर्चा की गई।बैठक में तहसील साहू संघ पाटन समस्त कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, समस्त प्रकोष्ठ के संयोजक, सह संयोजक गन, परिक्षेत्रीय साहू संघ के अध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारीगण, बेल्हारी परिक्षेत्र के समस्त स्थानीय अध्यक्ष गन, स्थानीय साहू समाज गातापार के अध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारीगण एवं प्रत्येक चूल्हा के महिला सदस्यगणों कीउपस्थिति रही। बैठक को सम्बोधित करते हुए दिनेश साहू अध्यक्ष ने कहा कि साहू समाज द्वारा समाजिक उत्थान की दिशा में लगातार 20वां वर्ष है।समाज में बढ़ते खर्चीली शादी को रोकने एवं आदर्श प्रस्तुत करने समूहिक विवाह की आवश्यकता है। साहू समाज पाटन द्वारा लगातार रचनात्मक कार्यों में अग्रणी भूमिका में है। महिला सम्मेलन, युवा सम्मेलन के बाद अब समूहिक आदर्श विवाह की तैयारी जारी है। प्रथम दिवस में शाम 4 बजे कलश यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम उसके बाद तेलमाती चुलमाटी का कार्यक्रम होगा। दूसरे दिवस प्रथम सत्र में सामाजिक सम्मेलन सांस्कृतिक कार्यक्रम, दूसरे सत्र में आदर्श सम्बोधित किया।विवाह एवं आशीर्वाद समारोह का आयोजन होगा। स्थानीय साहू समाज को आव्हान करते हुए कार्यक्रम के लिए दानराशि की घोषणा की। बैठक को श्रीमती दिव्या कलिहारी और राकेश साहू प्रभारी पाटन, लालेश्वर साहू कार्यकारी अध्यक्ष, टेसराम साहू बेल्हारी परिक्षेत्र, किशन हिरवानी मीडिया प्रभारी, दुलेश्वर साहू अध्यक्ष तेली गुंडरा परिक्षेत्र, रविशंकर साहू अध्यक्ष जामगांव परिक्षेत्र, होरीलाल साहू उपस्थित थे।

प्राकृतिक सौंदर्य व अनूठे संस्कृति का संगम

सैलानियों का पसंदीदा हिल स्टेशन बनता मैनपाट

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। समुद्र तल से करीब 1085 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तथा विलग जलवायु के कारण छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वाले मैनपाट अब सैलानियों का पसन्दीदा हिल स्टेशन बनते जा रहा है। चारो ओर से पहाड़ी व सुरम्य वादियों से घिरा मैनपाट प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर होने के साथ तिब्बती व जनजातीय संस्कृति का संगम स्थल भी है। यहां संस्कृतियां सद्भाव के साथ फल–फूल रही हैं। मैनपाट में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा विकास को गति देने के लिए हर वर्ष मैनपाट महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

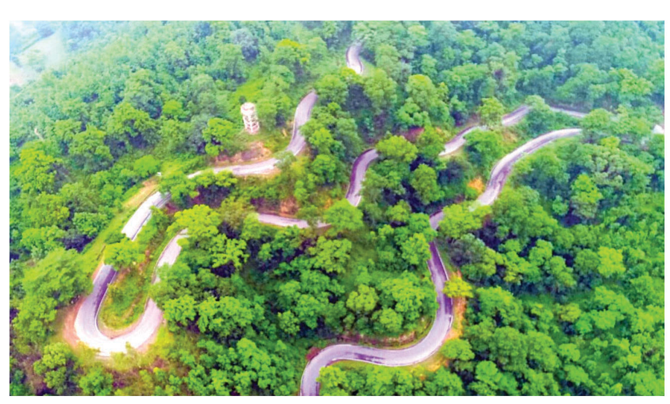

जिसमें देश के नामी कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति व विभागीय स्टॉलों के द्वारा विकास की झलक देखने को मिलती है। मैनपाट को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए प्रशासन ने सड़क विकास के साथ सुविधायें और टूरिस्ट पॉइंट को बेहतर करने का प्रयास प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। पर्यटकों के ठहरने के लिए रिजॉर्ट व विश्राम गृह भी बनाये गए हैं। अम्बिकापुर से दरिमा होते हुए मैनपाट जाते जैसे ही घाट शुरू होता है दूर–दूर तक हरियाली नजर आती है। पहाड़ी पर घुमावदार रास्ते के दोनों ओर ऊंचे–ऊंचे पेड़ व नयनाभिराम दृश्य देखते ही बनता है।

मैनपाट पुंहचने पर बौद्ध मंदिर, तिब्बती, लामा को देखकर अलग ही एहसास होता है। इस वर्ष जिला प्रशासन द्वारा 14 से 16 फरवरी तक मैनपाट महोत्सव का आयोजन रोपाखार जलाशय के समीप किया जा रहा है।

टाइगर प्वाइंट– मैनपाट के महत्वपूर्ण प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट में टाइगर प्वाइंट का अपना विशेष महत्व है। टाइगर प्वाइंट एक खूबसूरत प्राकृतिक झरना है जिसमें पानी इतनी तेजी से गिरता है कि शेर के गरजने जैसी आवाज आती है। टाइगर प्वाइंट देखने के लिए बहुत ही अच्छी जगह है यहां का ठण्ड भी अच्छा लगता है तथा देखने के लिए चारों तरफ घनघोर जंगलों के बीच पहाड़ से गिरता हुआ झरना बहुत ही आकर्षक लगता है। टाइगर प्वाइंट दर्शनीय स्थल में बहुत पहले शेर हुआ करते थे जो झरने का पानी पीने आते थे। इसलिए इस स्थान का नाम टाइगर प्वाइंट पड़ा। टाइगर प्वाइंट इको प्वाइंट के नाम से भी जाना जाता है।

उल्टापानी– मैनपाट के बिसरपानी गांव में स्थित उल्टापानी छत्तीसगढ़ की सबसे ज्यादा अचंभित और हैरान करने वाला दर्शनीय स्थल है। यहां पर पानी का बहाव नीचे की तरफन होकर ऊपर यानी ऊँचाई की ओर होता है। यहां सड़क पर खड़ी न्यूट्रल चारपहिया गाड़ी 110 मीटर तक गुरूत्वाकर्षण के विरूद्ध पहाड़ी की ओर अपने आप लुढ़कती है। यहां से घाटी का खूबसूरत नजारा देखकर मन तृप्त हो जाता है। वास्तव में उल्टापानी अदभुत तथा अकल्पनीय है।

जलजली– मैनपाट में प्रकृति के नियमों से दूर जलजली वह पिकनिक स्पॉट है जहाँ दो से तीन एकड़ जमीन काफी नर्म है और इसमें कूदने से धरती गद्दे की तरह हिलती है। आस–पास के लोगों के मुताबिक कभी यहां जल स्त्रोत रहा होगा जो समय के साथ उपर से सूख गया तथा आंतरिक जमीन दलदली रह गई। इसी वजह से यह जमीन दलदली व स्पंजी लगती है। यहां पर पास में ही जंगलों तथा पहाड़ों के बीच एक झरना प्रवाहित होता है। यहां पर्यटक घुड़सवारी का भी आनन्द लेते हैं।

फिश प्वाइंट– मैनपाट में पर्यटकों के लिए जंगलों के बीच एक रोमांचकारी और मन को लुभाने वाला मशहूर जगह फिश प्वाइंट (मछली) स्थित है। फिश प्वाइंट में जलधारा में तैरती रंगीन मछलियां मन को मोह लेती हैं।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक भवनों के लिए स्वीकृत की राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर जिले के अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तामासिवनी और खोरपा में आम जनता से भेंट–मुलाकात के पश्चात शाम को अभनपुर विश्राम भवन में विभिन्न समाज एवं संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से भेंट–मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सभी समाज के प्रतिनिधियों से सामाजिक कार्यों, मांगों और स्थानीय समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान सामाजिक प्रतिनिधियों से शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बारे में चर्चा कर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अभनपुर नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने मुलाकात कर अभनपुर नगर पालिका घोषित किए जाने पर उनका गजमाला पहनाकर आभार व्यक्त किया। नेकी की कुटिया, सतनाम भवन के दिव्यांग बच्चों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से कसेर समाज के प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर नयापारा नगर में सामाजिक भवन के लिए राशि मंजूर करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के आग्रह पर 30 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ सोनकर समाज के सामाजिक भवन के लिए 25 लाख रूपए, ढीमर समाज के सामाजिक भवन के लिए 25 लाख रूपए, गोबरा नवापारा में कहार समाज के सामाजिक भवन के लिए 20 लाख रूपए स्वीकृत किए। मुख्यमंत्री द्वारा सतनामी समाज के सामुदायिक भवन तक आने–जाने के लिए सड़क कांक्रीटीकरण, कुर्मी समाज के सामाजिक भवन में बोर खनन की भी स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने आये कलार समाज के प्रतिनिधियों द्वारा नया रायपुर में सामुदायिक भवन के लिए जमीन की मांग पर उन्हें जमीन की रजिस्ट्री कराने कहा। सिंधी समाज के प्रतिनिधियों द्वारा झूलेलाल सामाजिक भवन के निर्माण के लिए जमीन समाज के नाम कराने की बात कही।

खोरपा में उप तहसील कार्यालय, आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय एवं आईटीआई खोलने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने महत्वाकांक्षी भेंट–मुलाकात कार्यक्रम के दौरान आज रायपुर जिले के अभनपुर विधानसभा के ग्राम खोरपा में छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा–अर्चना कर क्षेत्रवासियों से भेंट–मुलाकात शुरूआत की। उन्होंने शासन द्वारा संचालित योजनाओं को फीड बैक लिया तथा 66 करोड़ 38 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों और फैसलों के कारण राज्य में अब तक सर्वाधिक धान की खरीदी हुई है।

मुख्यमंत्री बघेल भेंट–मुलाकात को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार बनते ही सबसे पहले हमने ऋण माफी का फैसला किया, शपथ ग्रहण करते ही सबसे पहले मंत्रालय पहुँचकर 19 लाख किसानों का साढ़े 9 हजार करोड़ रूपए का ऋण माफकिया। जिन किसानों ने धान बेचा था और जिनका कर्ज पटा दिया गया था, उनकी राशि वापस लौटाई गई। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की, किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना में इनपुट सब्सिडी दी। इस योजना की 3 किस्त की राशि किसानों के खाते में आ गई है।

योजना की आखिरी और चौथी किस्त 31 मार्च को दी जाएगी। श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों के जीवन में काफी परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री ने कहा हमारी मंशा है सबको राशन मिले, हमने सबका राशन कार्ड बनाया। उन्होंने राशन कार्ड के हितग्राहियों से बातचीत कर योजना का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से पूछा किनका–किनका कर्ज माफहुआ है। इस पर बड़ी संख्या में लोगों ने हाथ उठाकर बताया कि उनका कर्ज माफहुआ है। अभनपुर विधायक श्री धनेंद्र साहू भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भेंट–मुलाकात के दौरान अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि ग्राम खोरपा में उप तहसील कार्यालय एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोला जायेगा।

उपजेल में बन्दियों का किये स्वाथ्य परीक्षण

गरियाबंद। संचालनालय स्वास्थ सेवाए छग शासन इंद्रावती भवन अटल नगर रायपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत माह फरवरी मार्च में कार्यशाला,प्रशिक्षण और ओपीडी का आयोजन किया जाता है । उनके लिए कार्यशाला वर्कशॉप का आयोजन कर उन्हें तनाव मुक्त करने की कोशिश किया जाता है।इसी के तहत डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद निराला,हेमलता खूंटे,कुंजलाल सिन्हा आरती साहू और जेलर हितेन्द्र सिंह ठाकुर की उपस्थिति में गम्भीर अपराध के तहत जेल में निरुद्ध 30 बन्दियों का स्वाथ्य परीक्षण किया गया।इसके तहत मानसिक स्वास्थ्य अरुण पैकरा कलम नारायण ध्रुव,अर्जुन सिंग ठाकुर का सहयोग रहा।

खास खबर...

अग्रसेन महाविद्यालय में पत्रकारिता विभाग का राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

रायपुर (ए)। अग्रसेन महाविद्यालय में पत्रकारिता विभाग द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। इस सेमीनार के तीसरे और अंतिम दिन मीडिया की भूमिका और मीडिया कानून पर समग्र रूप से अपने विचार रखते हुए केन्द्रीय विश्व विद्यालय मोतीहारी (बिहार) के प्राध्यापक डॉ परमात्मा कुमार मिश्र, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के रीडर डॉ नरेंद्र त्रिपाठी, रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में विधि संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ अनंतराम प्रधान एवं रायपुर दूरदर्शन के सहायक निदेशक प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मीडिया में जब जनहित के मुद्दे गायब होने लगें, तो हमें ही जागरूक होना पड़ेगा। ऐसे में मीडिया के लिए बने कानूनों का अनुपालन कराने के लिए भी जनता को ही सक्रिय होना पड़ेगा। यह मीडिया साक्षरता से ही संभव है। रविवार के दो अन्य वक्ताओं ने भी लोक तंत्र की मजबूती के लिए मीडिया कानूनों के अनुपालन पर जोर दिया। पहले सत्र कि अध्यक्षता करते हुए डॉ परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि मीडिया में हर दिन नई तकनीक आ रही है. कोई भी तकनीक अपने आप में अछि या बुरी नहीं होती। ठीक उसी प्रकार जैसे चाकू अच्छी या बुरी नहीं है, लेकिन उसका इस्तेमाल करते समय हम उसका सदुपयोग और दुरूपयोग दोनों कर सकते हैं। इस कार्य में मीडिया की भूमिका सबसे अहम होती है। उन्होंने कहा कि मीडिया को समय समय पर उसकी भूमिका बताने के लिए नागरिक को ही जिम्मेदारी लेनी होगी।

प्रदेश में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, गिरेगा तापमान, चलेगी ठंडी हवाएं

रायपुर (ए)। हवा की दिशा उत्तर पश्चिमी होने के कारण प्रदेश में इन दिनों ठंड लगभग गायब सी हो गई है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही दोपहर की धूप भी चुभने लगी है। शनिवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इससे गर्मी भी बढ़ने लगी है। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान कृषि विज्ञान केंद्र डूमरबहार में 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को प्रदेश में मौसम का मिजाज फिर से बदलने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में उत्तर से ठंडी हवाएं चलने के आसार हैं। इसके चलते रविवार को बस्तर क्षेत्र के साथ ही प्रदेश भर में न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है। शनिवार को रायपुर सहित प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा। अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी के कारण अब दोपहर की धूप परेशान कर रही है। रात में ठंड थोड़ी कम हुई है। शहरी क्षेत्रों के साथ ही आउटर में भी ठंड कम हो गई है। रायपुर का न्यूनतम तापमान 17.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, यह सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा।

दूसरों को सुंदर बनाकर हुई कामता प्रसाद की जिंदगी खूबसूरत

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की मदद से हुई सालाना 4 लाख रुपए की आय

ब्यूटी पार्लर में एचडी व ब्राइडल मेकअप के साथ मेहंदी, टैटू का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से कई बेरोजगार युवाओं की ज़िंदगी संवर रही है। इस योजना में राज्य सरकार की तरफसे प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को उद्योग स्थापित करने के लिए 10 लाख रुपए से लेकर 25 लाख रुपए तक की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। दुर्ग जिले के खपरी ग्राम के निवासी कामता प्रसाद साहू जो कोरोना काल में बेरोजगार हो गए थे, वो अब मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर 4 लाख रुपए सालाना कमा रहे हैं।

कामता प्रसाद ने जीवन यापन के लिए अपनी रूचि और हुनर को आय का जरिया बनाने के लिए ब्यूटी पार्लर खोलने का फैसला लिया। इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से 5 लाख रुपए का लोन व 75 हजार रुपए अनुदान सहायता राशि मिली थी, जिससे उनकी भी ज़िंदगी संवर गई। क्रिएटिव फील्ड में रुचि होने के चलते उनके पास मेकअप संबंधी कार्य का ज्ञान था, इसी ज्ञान का उपयोग कर उन्होंने ब्यूटी पार्लर को अपने व्यवसाय के रूप में चुना। आज ब्यूटी पार्लर से संबंधित सामान्य सेवाएं देने के साथ-साथ वे एक प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। ब्राइडल मेकअप के लिए तो शादी के सीजन में उनके पास विशेष डिमांड रहती है। उनका कहना है कि मैं दूसरों के चेहरों को सुंदर बनाता हूं लेकिन छत्तीसगढ़ शासन लोगों के भविष्य का निर्माण कर रहा है जो कि भावी पीढ़ियों के लिए शासन की मंशा को दर्शाता है।

श्री साहू ने बताया कि वो प्राइवेट स्कूल में विद्यार्थियों को नृत्य की शिक्षा भी देते थे परंतु कोरोना काल में नौकरी नहीं रही। लंबे समय तक बेरोजगारी का सामना किया तभी जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के बारे में उन्हें जानकारी मिली जहां संबंधित अधिकारियों के द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से अवगत हुए। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के अधिकारियों ने उन्हें मार्गदर्शन दिया और उनके रूचि अनुरूप ब्यूटी पार्लर कोर्स में प्रशिक्षण के पश्चात् जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक में अनुमोदन कर बैंक से उन्हें लोन के साथ-साथ अनुदान सहायता राशि प्रदान की।

एचडी व वाटरप्रूफ ब्राइडल मेकअप के लिए जानी जाती है उनकी शॉप

श्री साहू ने बताया कि पार्लर में उनके द्वारा फेशियल, ब्लिचिंग व मेकअप के अलावा मेहंदी और टैटू से संबंधित कार्य किए जाते हैं। जिसमें टेम्पररी और परमानेंट टैटू के लिए उनके पास नवीनतम डिजाईन के रूप में विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं। इसके साथ ही उनके द्वारा प्रशिक्षण कार्य भी संचालित किया जाता है। जिसके अंतर्गत वो अभी तक 20 से 25 लोगों को प्रशिक्षण दे चुके हैं। जिसमें प्रोफेशनल लेवल के कोर्स के लिए बहुत ही न्यूनतम दर की फीस उनकी संस्था में रखी गई है। वर्तमान में उनका ब्यूटी पार्लर ''काया ब्यूटी एंड मेक ओवर एकेडमी'' के नाम से सेन्ट्रल एवेन्यू स्मृति नगर में स्थित है। दुल्हन की खुबसुरती में चार-चांद लगे इसके लिए श्री साहू अपने ब्यूटी पार्लर में दुल्हनों के लिए एच.डी. व वाटरप्रूफ जैसी सुविधा प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके ब्राइडल मेकअप किट में सभी आइटम हाई क्वालिटी प्रोडक्टस हैं। जिससे दुल्हन के चेहरे में कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है और उनकी सुंदरता लंबे समय तक टिकी रहती है। उनका वाटरप्रूफ ब्राइडल मेकअप कस्टमर द्वारा बहुत ही पसंद किया जाता है।

कला व हुनर बना ब्यूटी पार्लर व मेकअप वर्क को व्यवसाय चुनने का कारण

श्री साहू ने बताया कि उन्होंने इंदिरा कला संगीत विद्यालय खैरागढ़ से भरतनाट्यम में एम ए किया है। भरतनाट्यम को सबसे प्राचीनतम नृत्य में से एक माना जाता है। नृत्य में चेहरे के भावभंगिमा का बड़ा महत्व इसलिए नृत्य कला को प्रस्तुत करने वाली नृत्यांगना चेहरे के श्रृंगार पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। इसलिए श्रृंगार कला की ओर उनकी रुचि रही और उन्होंने ब्यूटी पार्लर और मेकअप को अपने व्यवसाय के लिए चुना।

80 प्रतिशत लोन की राशि समयावधि से पूर्व वापस

श्री साहू ने बताया कि उन्होंने बैंक से 5 लाख रूपए की राशि 5 साल की समयावधि तक लोन के रूप में लिया था। परंतु मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना उनके लिए इतनी फलित साबित हुई कि वो सालाना 4 लाख रुपए से अधिक कमा रहे हैं। 02 वर्ष में ही उन्होंने लोन की 04 लाख रूपए की राशि यानि 80 प्रतिशत बैंक को जमा कर दिया। श्री साहू ने बताया कि पार्लर में उनके द्वारा फेशियल, ब्लिचिंग व मेकअप के अलावा मेहंदी और टैटू से संबंधित कार्य किए जाते हैं। जिसमें टेम्पररी और परमानेंट टैटू के लिए उनके पास नवीनतम डिजाईन के रूप में विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं। इसके साथ ही उनके द्वारा प्रशिक्षण कार्य भी संचालित किया जाता है। जिसके अंतर्गत वो अभी तक 20 से 25 लोगों को प्रशिक्षण दे चुके हैं। जिसमें प्रोफेशनल लेवल के कोर्स के लिए बहुत ही न्यूनतम दर की फीस उनकी संस्था में रखी गई है। वर्तमान में उनका ब्यूटी पार्लर ''काया ब्यूटी एंड मेक ओवर एकेडमी'' के नाम से सेन्ट्रल एवेन्यू स्मृति नगर में स्थित है।

मयूरा कान्वेंट निजी स्कूल संचालक से होगी राशि की होगी वसूली

आरटीई पोर्टल से भी किया जाएगा ब्लैकलिस्ट

राशि जमा नहीं होने पर कराया जाएगा अपराध दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा ब्लॉक के मयूरा कान्वेंट निजी स्कूल को शिक्षा के अधिकार के तहत 72 लाख के भुगतान मामले में एक तरफ जहां कलेक्टर के निर्देश पर शिक्षा विभाग द्वारा क्लर्क शिवानंद राठौर को निलंबित किया गया है, वहीं कम्प्यूटर ऑपरेटर विकास साव को बर्खास्त कर दिया गया है। इस मामले को कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने गंभीरता से लेते हुए लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही की बात कही है। उन्होंने निजी स्कूल संचालक के विरूद्ध अपराध दर्ज कराने और बकाया राशि की वसूली करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में निजी स्कूल को शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) पोर्टल सूची से भी ब्लैकलिस्ट करने तथा मान्यता समाप्त करने की कार्यवाही शिक्षा विभाग द्वारा की जा रही है।

बलौदा ब्लॉक के मयूरा कान्वेंट निजी स्कूल को आरटीई की अधिक राशि के भुगतान मामले में जिला प्रशासन द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। शेष बकाया राशि को जमा करने के लिए निजी स्कूल संचालक को किसी तरह का कोई अभयदान नहीं दिया गया है। इस प्रकरण के संज्ञान में आते ही इसे गंभीर लापरवाही तथा अपराध की श्रेणी का मानते हुए क्लर्क तथा कम्पयूटर ऑपरेटर पर तात्कालिक कार्यवाही की गई। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिला शिक्षा अधिकारी एच आर सोम को इस प्रकरण में मिलीभगत करने वाले क्लर्क, कम्पयूटर ऑपरेटर सहित निजी स्कूल के संचालक तथा अन्य की भूमिका के आधार पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निजी स्कूल संचालक से शासन के पैसे शीघ्र ही वसूल करने और अपराध दर्ज करने के भी निर्देश दिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने इस संबंध में बताया कि कार्यालय द्वारा मयूरा कान्वेंट निजी स्कूल को आरटीई पोर्टल से ब्लैक लिस्ट करने डीपीआई रायपुर को पत्र प्रेषित करने के साथ मान्यता समाप्त करने की अनुशंसा भी की जा रही है। जिला शिक्षा कार्यालय जांजगीर ने मयूरा कान्वेंट निजी स्कूल को बकाया 3503328 (पैंतीस लाख तीन हजार तीन सौ अठाईस रूपए) तत्काल जमा करने के निर्देश दिए हैं।

कोल्ड स्टोरेज बिजनेस से कमाए लाखों: सीए निहाल जैन

रायपुर (ए)। कोल्ड स्टोरेज वह जगह होती है जहां पर इन एग्रीकल्चर व होटरीकल्चर फलों, सब्जियों, उत्पाद आदि को रखा जाता है। उस जगह का तापमान फलों और सब्जियों फलों, सब्जियों, एग्रीकल्चर व होटरीकल्चर उत्पाद का जीवन चक्र बढ़ाने में मदद करता है। ऐसे में फलों और सब्जियों को एक लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है और उनकी सप्लाई में कोई कमी नही आने दी जाती।

जिससे देश में महंगाई भी काबू में रहती है। इस सम्बन्ध में कोल्ड स्टोरेज मामलो के एक्सपर्ट सी ए निहाल जैन ने हमें इस बिज़नेस मॉडल के बारे में विस्तार से हमें बताया की आज कल बहुत से ऐसे बिजनेस आ गए है। जिन को शुरू करके आप पैसे तो कमाते ही है। साथ ही उस बिजनेस की मदद से आप देश के विकास में भी अपना योगदान कर पाते है।

'कोल्ड स्टोरेज' एक ऐसा ही बिजनेस है। कोल्ड स्टोरेज कोई छोटा बिजनेस नही है बल्कि यह एक बहुत ही बड़ा बिजनेस है इसमे लागत भी लाखों नही बल्कि करोड़ों में आती है इसीलिए अगर आप इस बिजनेस को शुरू करने की सोच रहे है। तो ध्यान रखे यह एक बहुत ही विशाल व्यवसाय है। अगर आपने कोल्ड स्टोरेज बिजनेस शुरू करने का सोचा है तो आप सही सोचे हैं। भारत में इन बिजनेस को बहुत ही ज्यादा बढ़ावा दिया जा रहा है।

मंत्री डॉ. डहरिया कबीर आश्रम सत्संग समारोह में हुये शामिल

55 लाख रुपये के विकास कार्यों की दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सदगुरु कबीर देव एवं सदगुरु अभिलाष देव की पुण्य स्मृति में रायपुर जिले के ग्राम संकरी (कोरासी) में कबीर पंथी साहू समाज के द्वारा 20 वां वार्षिक सत्संग समारोह का आयोजन किया कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन, विकास एवं श्रम मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया शामिल हुये और उन्होंने मुख्य प्रवक्ता धर्मेंद्र साहेब का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मंत्री डॉ.डहरिया ने पंचायत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। निर्माण कार्यों में कबीर आश्रम में शेड निर्माण लागत 10 लाख रुपये, नवीन पंचायत भवन निर्माण लागत 14.15 लाख रूपये, उपस्वास्थ्य केंद्र में अहाता निर्माण लागत 7 लाख रूपये, हाई स्कूल में अहाता निर्माण लागत 7 लाख रुपए, नवीन है स्कूल में शेड निर्माण लागत 08लाख रुपए, बाजार चौक में सीसी रोड़ निर्माण लागत 6 लाख रुपए, यात्री प्रतीक्षालय लागत 03 लाख रुपए के विकास कार्य का लोकार्पण किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से द्वारिका प्रसाद साहू डायरेक्टर अपेक्स बैंक रायपुर, खिलेश्वर देवांगन अध्यक्ष जनपद पंचायत आरंग, दुर्गा राय जिला पंचायत सदस्य, केशरी मोहन साहू जिला पंचायत सदस्य, प्रीति चंद्रशेखर साहू जनपद सदस्य, कोमल सिंह साहू भगवती धुरंधर, राजेश धुरंधर, संतोष कुमार साहू, नारायण प्रसाद साहू सहित अनेक पंचायत प्रतिनिधि और नागरिक मौजूद थे ।

दिव्यांगों का यह प्रयास, पूरी होंगी उनकी आस: मशरूम के व्यवसाय से जुड़ी 12 में से 10 सदस्य है दिव्यांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। यह कहानी है हौसलों की उस उड़ान की, जो उन लोगों द्वारा एक संकल्प और विश्वास के साथ शुरू की गई है, जिन्हें उड़ने की तमन्ना तो है, लेकिन कभी उड़ान भरा नहीं। वे जिंदगी की सफर में ठीक से चल ही नहीं पाये, क्योंकि उन्हें अब तक ऐसा कोई मिला नहीं, जो उन्हें यह बता सकें कि कुछ पाने के लिए कुछ करना पड़ता है और मंजिल पर पहुंचने के लिए आगे बढ़ना भी पड़ता है। अब जबकि उन्हें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा गौठानों में प्रारंभ किये गये ग्रामीण औद्योगिक पार्क रीपा से मदद तथा जांजगीर-चाम्पा जिले के कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी से प्रेरणा मिल गई है तो इनके अपने मंजिल पर पहुंचने का सफर भी धीमी चाल से शुरू हो गया है, और संभव है कि इस सफर की रफ्तार बढ़ेगी, कई ख्वाहिशें पूरी होंगी।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जांजगीर-चाम्पा जिले के ग्राम पेण्ड्री के गौठान में ग्रामीण औद्योगिक पार्क के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों की शुरूवात हो गई है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जहां इन रीपा कार्यक्रमों में ग्रामीण बेरोजगारों को प्राथमिकता से आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने की पहल की है, वहीं गौठानों के आसपास संचालित स्व-सहायता समूह के सदस्यों को भी रोजगार से जोड़ते हुए आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

वैशाखी नहीं, हमारे प्रयासों को देखिये...

समूह में अधिकांश सदस्य किसी न किसी रूप में शारीरिक रूप से प्रभावित है। ग्राम पेण्ड्री की रहने वाली इन महिलाओं में अध्यक्ष तिरूपति कश्यप बचपन से दोनों पैरों से दिव्यांग है और वैशाखी कैलिपर सपोर्ट से चलती है। सचिव रनिया कश्यप एक पैर से दिव्यांग है। अन्य सदस्य श्यामकली कश्यप, उर्मिला कश्यप, आनंद राम, जय प्रकाश, गीता कश्यप, कृष्ण कुमार, रामकृष्ण, बिंदु बाई है, जिसमें से कुछ सदस्य पैर से तो कुछ आंख या अन्य रूप से दिव्यांग है। समूह की अध्यक्ष तिरूपति कश्यप कहती है कि हमारी पूरी कोशिश है कि हम शासन और जिला प्रशासन की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे तथा मशरूम का उत्पादन कर आगे बढ़ेंगे। वह बताती है कि पहले वे सभी बेरोजगार थीं और घर पर आश्रित थीं। अब उन्हें आर्थिक सहयोग जिला प्रशासन के माध्यम से मिला है। मशरूम की खेती से आमदनी बढ़ने पर ऋण की राशि लौटायेंगी। अध्यक्ष तिरूमति कश्यप ने यह भी बताया कि दो कमरों में लगभग 19 सौ बैग मशरूम लगाई है। बाजार में लगभग 150 रूपये किलों में बेचना तय हुआ है। एक बैग से एक माह में 3 किलो मशरूम का उत्पादन होता है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक वे गौठान परिसर में आकर अपने कामकाज में व्यस्त हो जाती है। दिव्यांग होने से चुनौती और व्यवसाय में बाधा आने के सवाल पर वह मुखर होते हुए कहती है कि हमारे साथ वैसे तो दो सहयोगी भी है, जो दिव्यांग नहीं है, लेकिन आप हमारे प्रयासों को देखिये, वैशाखी को नहीं...।

जिला प्रशासन की इन्हीं प्रयासों के बदौलत पेण्ड्री के गौठान में जय मां दुर्गा स्व-सहायता समूह के रूप में 12 ऐसी महिलाएं और पुरूष भी है, जिनमें से 10 सदस्य शारीरिक रूप से दिव्यांग है और मशरूम की खेती अपनाकर दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इन्हें खुशी है कि जिला प्रशासन ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए गौठान में मशरूम के व्यवसाय से जोड़ा और शेड़ बनाकर देने के साथ उत्पादन को बढ़ाने में आर्थिक सहयोग की। कुछ दिन पहले समूह के कार्यों को देखकर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने इनके प्रयासों को सराहा और सफलता की राह में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने भी दिव्यांग महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आप अपने आपको दिव्यांग न समझिए, कुछ लोग शारिरिक रूप से ठीक होकर भी कुछ प्रयास नहीं करते, लेकिन आप सभी ने आत्मनिर्भर बनने जो हौसला दिखाया है वह काबिल ए तारीफ है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स ● टी-शर्ट ● शर्ट ● ट्राउजर
भारत जीन्स
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटरप्युरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट कैम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैंड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेन्ड्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

फिल्म शहजादा का गाना कैरेक्टर ढीला है 2.0 रिलीज, कार्तिक ने दिया सलमान खान को सम्मान

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आनेवाली फिल्म शहजादा के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में कार्तिक के साथ कृति सेनन भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच फिल्म का नया गाना रिलीज कर दिया गया है। इस गाने का टाइटल है कैरेक्टर ढीला 2.0। गाने में कार्तिक का स्वैग लुक साफ नजर आ रहा है। वहीं गाने के वीडियो में एक ट्यून पर एक्टर अपने सनग्लासेस के साथ खेलते हुए नजर आ रहे है। 2 मिनट 36 सेकेंड के इस गाने को महज 20 मिनट में 1 लाख 85 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। यह गाना ओरिजिनल में सलमान खान का है, ऐसे में इस गाने के जरिए कार्तिक भाईजान को भी ट्रिब्यूट देते नजर आ रहे हैं।

कैरेक्टर ढीला है 2.0 गाने का ओरिजिनल वर्जन सलमान खान का है। यह गाना फिल्म रेडी में था, जिसे सलमान और जरीन खान पर फिल्माया गया था। इस गाने को रिलीज हुए 11 साल हो गए। वहीं इसके वीडियो पर 132 मिलियन से भी ज्यादा व्यूज आ चुके हैं। काम की बात करें तो कार्तिक आर्यन आखिरी बार फिल्म भूल भुलैया 2 में नजर आए थे, जिसमें भी उन्होंने अक्षय कुमार के हिट सॉन्ग को रिक्रिएट किया था। इसके अलावा एक्टर को ओटीटी रिलीज फिल्म फ्रेडी में भी देखा गया। इसके अलावा कार्तिक जल्द ही फिल्म शहजादा, कैप्टन इंडिया और सत्यप्रेम की कथा में नजर आने वाले हैं।

राधिका मदान अभिनीत फिल्म सना का प्रीमियर सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्ट में होगा

राधिका मदान अभिनीत फिल्मकार सुधांशु सरिया के निर्देशन में बनी फिल्म सना का सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में उत्तर अमेरिकी प्रीमियर होगा और यह इस समारोह में दिखाई जाने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म होगी। सरिया ने कहा, मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि उत्सव ने सना को आमंत्रित करने और फिल्म को उत्तरी अमेरिका में लॉन्च करने के लिए चुना है।

उनकी प्रतिक्रिया फिल्म की सार्वभौमिकता और महिला एजेंसी और स्वायत्तता के बारे में बातचीत की तत्काल आवश्यकता की पुष्टि करती है – विशेष रूप से अमेरिका के संदर्भ में। हॉलीवुड के जाने-माने सितारे और ऑस्कर नॉमिनेट जैसे ब्रेंडन फ्रेजर, केट ब्लैंचेट और कॉलिन फैरेल इस साल फेस्टिवल में शिरकत करते नजर आएंगे।

करीना कपूर हैं मेरी इंस्पिरेशनः नेहा मर्दा

टीवी की मशहूर अभिनेत्री नेहा मर्दा ने अपने प्रेगनेंसी की खबर प्रशंसकों संग शेयर की है। शादी के 10 वर्ष पश्चात् अपने मदरहुड को एंजॉय कर रहीं नेहा इन दिनों अपने ससुराल पटना में समय गुजार रही हैं। इसी बीच नेहा ने हमसे अपनी प्रेगनेंसी और फ्यूचर प्लान्स पर ढेर सारी बातचीत की है।

नेहा ने कहा, ये ऐसा इमोशन है, जिसे बयां किया ही नहीं जा सकता है। मुझे कभी नहीं पता था कि मैं मां बनूंगी। क्योंकि कभी इसे लेकर महत्वाकांक्षी नहीं रही। कभी ऐसी कोई फीलिंग थी ही नहीं। चूंकि अब जब मां बनने जा रही हूं तो मुझे ऐसा लगता है कि इससे शानदार एहसास कभी जिंदगी में महसूस ही नहीं किया है। मैं इतने लंबे वक्त से एक बहुत ही खूबसूरत इमोशन को मिस किया था। उस समय लोग बोलते थे कि मां बनने के बाद औरत अपने आप में पूरी हो जाती है। तो लोगों को देने के लिए मेरे पास बहुत से तर्क होते थे। मैं बोला करती थी कि अरे मैं तो पूरी हूं। अब इस प्रोसेस से गुजर रही हूं, तो उनकी बातें सही लगने लगी हैं। निशब्द हूं।

आगे नेहा कहती हैं, अपने अंदर एक आत्मा को पनपते हुए महसूस करना। जब बेबी किक करता है, तो दिल में बहुत खुशी होती है। चौथे महीने तक ये समझ नहीं आता कि आप कहां तक पहुंचने वाले हो मगर पांचवे महीने में समझते हैं कि जिंदगी इससे अधिक खूबसूरत नहीं हो सकती है। ईश्वर ने हम औरतों को यह अवसर दिया है कि हम गर्व से कह सकते हैं कि हम ह्यूमन क्रिएट करते हैं। इससे हम बिना किसी वजह के स्वयं को पावरफुल समझने लगते हैं। हालांकि प्रेगनेंसी की जर्नी उतनी सरल नहीं है मगर खूबसूरत जरूर है। कई बार मुश्किल लगता है कि कैसे सब कुछ हो पाएगा मगर साथ में एक अजीब सी खुशी भी होती है। अपने इस प्रेगनेंसी के राह में नेहा, करीना कपूर खान को अपना इंस्पीरेशन मानती हैं। इस पर नेहा बोलती हैं, करीना कपूर ने वर्किंग महिलाएं को विशेष तौर पर अभिनेत्री की प्रेगनेंसी को काफी कूल कर दिया है. ग्लैमराइज कर दिया है। पहले एक्ट्रेसेज प्रेगनेंसी के चलते गायब सी हो जाती थीं मगर करीना ने सारे स्टीरियोटाइप को तोड़ा है. उनके कारण ही हम जैसी अभिनेत्रियों को भी एक करेज मिला है कि हम अपनी प्रेगनेंसी और इस जर्नी को छुपाने की जगह प्रशंसकों से शेयर करते हैं।

शॉर्ट्स में बला की खूबसूरत लग रहीं हैं नेहा मलिक

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सुर्खियों में बनी रहती है। नेहा मलिक ने बहुत कम समय में इंडस्ट्री में ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिसके वजह से आज वह किसी पहचान की मोहताज नहीं है। हाल ही में उनके लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर के एक बार फिर से इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। अभिनेत्री नेहा मलिक आए दिन अपने लुक्स को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने व्हाइट शॉर्ट्स के साथ शाइनी लुक में क्रॉप शर्ट पहनी हुई है, जिसमें उन्होंने ओपन बटन किया है। ओपन बटन में कर के नेहा मलिक ने डीप नेक क्लीवेज फ्लॉन्ट कर कैमरे के सामने बेहद ही बोल्ड पोज दिए हैं। नेहा मलिक ने अपने बालों को स्टाइलिश लुक देते हुए कर्ली करवाए हैं और साथ ही ग्लैम मेकअप कर के आउटलुक कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस आए दिन अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती रहती हैं। फैंस को भी नेहा मलिक का हर एक लुक बेहद पसंद आता है। बता दें कि एक्ट्रेस इन तस्वीरों में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हालांकि उनकी इंस्टाग्राम पर काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है।

मुझे प्यार के ख्याल से भी प्यार हैः तारा सुतारिया

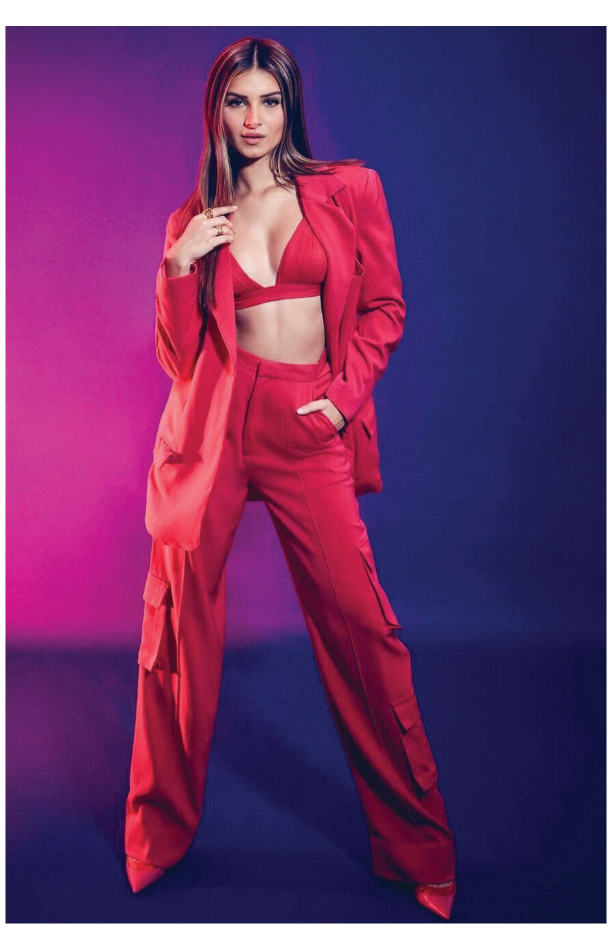

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने बताया कि उनके लिए सेल्फ लव का क्या मतलब है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्यार के ख्याल से भी प्यार है। तारा ने डेटिंग ऐप बम्बल के साथ कॉलेबोरेट किया, ताकि वेलेंटाइन डे से पहले एक नया कैपेंन बिफोर एनीवन अदर, देयर वास यू लॉन्च किया जा सके, ताकि सेल्फ लव को प्रोत्साहित किया जा सके।

यह पूछे जाने पर कि उनके लिए सेल्फ लव का क्या मतलब है, तारा ने कहा मुझे लगता है कि सेल्फ लव का मतलब अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग चीजें हैं। हम सभी हाल ही में कोविड-19 जैसे बहुत मुश्किल समय से गुजरे हैं, जिसने दुनिया को प्रभावित किया।

मुझे लगता है कि सेल्फ-लव ने हम सभी को एक नया आकार और अर्थ दिया है। हम सभी ने खुद को समझना सीखा, खुद को सुनना शुरू किया और इसलिए, खुद से प्यार करते हैं। मैंने हमेशा प्यार के ख्याल से प्यार किया है। इसे यूटोपिया कहें, लेकिन मैंने हमेशा प्यार को बहुत प्यार से देखा है, मैंने वास्तव में कभी भी खुद को उस तरह के प्यार से नहीं देखा है, इसलिए इसे पाने के लिए मुझे बहुत कुछ करना पड़ा।

मैं वास्तव में खुद को समझना सीख रही हूं। अपने भावी साथी में वह क्या गुण देखती है, इस बारे में बात करते हुए, तारा कहती हैं, मैं जानबूझकर किसी साथी या किसी ऐसे व्यक्ति में गुणों की तलाश नहीं करती, जिसके साथ मैं हूं, लेकिन मैंने सालों से महसूस किया है कि मेरे जीवन में हर रिश्ते में क्या महत्वपूर्ण है, मेरी दोस्ती, मेरा परिवार और अन्य सभी रिश्ते जीवन को सुंदर बना सकते हैं।

कभी-कभी व्यस्त और जटिल लेकिन जो वास्तव में मदद करता है, विशेष रूप से बुरे समय में, वह अच्छा साथी होता है। मुझे लगता है कि मेरी जिस तरह की लाइफ स्टाइल है, उसमें छोटे-छोटे पलों का आनंद लेना बहुत महत्वपूर्ण है। यह हमेशा संभव नहीं होता है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन के सभी रिश्तों में दूसरों की तुलना में उस गुण को अधिक देखती हूं।

जल्द वजन बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी दिनचर्या में शामिल करें ये 5 एक्सरसाइज

शारीरिक फिटनेस पूरे लुक पर काफी प्रभाव डालती है, इसलिए अतिरिक्त मोटापा हो या फिर दुबलापन बिल्कुल भी सही नहीं है। अगर आपका बॉडी मास इंडेक्स 18.5 से नीचे है तो आपका वजन कम है और आपको वजन बढ़ाने की ओर कदम बढ़ाना चाहिए क्योंकि सामान्य से कम वजन होना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। आइए आज आपको पांच ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप अपना वजन बढ़ा सकते हैं।

बेंच प्रेस एक्सरसाइज

सबसे पहले एक बेंच पर पीठ के बल लेटें और अपने दोनों पैरों को घुटनों से मोड़कर नीचे फर्श पर रखें। अब अपनी बाहों को पूरी तरह से फैलाते हुए धीरे-धीरे वेट बार उठाएं। इसके बाद सांस को छोड़ते हुए वेट बार को ऊपर ले जाएं और हाथों को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ें। फिर सांस को लेते हुए वेट बार को नीचे लाएं। ऐसे दो से तीन सेट पूरे करें।

बेंच डिप एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज के लिए सबसे पहले एक बेंच पर बैठें और इसे अपनी हथेलियों से पकड़कर आगे की ओर स्लाइड करें। इस दौरान आपके शरीर का पूरा हिस्सा बेंच के बाहर होना चाहिए। अब अपनी पीठ को सीधा रखते हुए कोहनियों को 90 डिग्री पर झुकाएं और अपने घुटनों को थोड़ा झुकाकर रखें। इसके बाद पहले वाली स्थिति में वापस लौटें और इस प्रक्रिया को दोबारा दोहराएं।

पुल-अप्स एक्सरसाइज

अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और कंधों की चौड़ाई की दूरी पर पुल-अप्स रोड को पकड़ लें। इसके बाद अपने दोनों हाथों पर जोर डालते हुए कोहनियों को मोड़ें और पूरे शरीर को ऊपर उठाएं। फिर दोबारा से अपने शरीर को नीचे करें और शरीर को ढीला छोड़ते हुए लटकें। यह पुल-अप्स एक्सरसाइज की एक रेप्स है। ऐसे कम से कम 10 रेप्स करें।

बैंडेड सिंगल लेग डेडलिफ्ट एक्सरसाइज

सबसे पहले जमीन पर सीधे खड़े हो जाएं। अब अपने बाएं पैर के बीच में एक रेजिस्टेंस बैंड डालें। फिर बैंड का दूसरा छोर दोनों हाथों से पकड़े। इसके बाद अपना सारा वजन बाएं पैर पर डालकर इसे घुटने से थोड़ा मोड़ें। फिर अपनी पीठ को सीधा रखते हुए आगे की ओर झुकें और दाएं पैर को पीछे की ओर फैलाएं। अब दाएं पैर को वापस जमीन से सटाएं। इसी तरह दोनों पैर से 10-15 रेप्स पूरे करें।

स्क्वाट एक्सरसाइज

स्क्वाट के लिए अपने दोनों हाथ सामने की ओर खोलकर सीधे खड़े हो जाएं। इस दौरान आपकी छाती एकदम तनी हुई होनी चाहिए। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जिस तरह से कुर्सी पर बैठा जाता है। इसके बाद सांस भरते हुए धीरे-धीरे नीचे झुकें और फिर ऊपर आते समय सांस छोड़ें। शुरूआत में इसी तरह 10 स्क्वाट करें। फिर धीरे-धीरे 12-15 तक ले जाएं।

ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाते हैं ये 5 खाद्य पदार्थ, ये है इनसे होने वाले फायदे

हमारे शरीर का हर अंग अच्छे से काम कर सके, इसके लिए शरीर में उचित ब्लड सर्कुलेशन होना जरूरी है। यह न केवल दिल को स्वस्थ और दिमाग को तेज रखता है, बल्कि त्वचा को निखारने में भी मदद करता है। इसके विपरीत शरीर में ब्लड फ्लो कम होने से पाचन संबंधी समस्याएं, मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। आइए आज ऐसे पांच खाद्य पदार्थ जानते हैं, जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करते हैं।

लाल मिर्च

लाल मिर्च में मौजूद कैप्साइसिन नामक फाइटोकेमिकल इसे स्वाद में तीखा बनाता है। कैप्साइसिन आपके ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है और नाइट्रिक ऑक्साइड और अन्य वेसोडिलेटर्स की मात्रा को बढ़ाता है, जो रक्त वाहिकाओं को फैलाने में मदद करते हैं। इससे टिश्यूज में खून का प्रवाह बढ़ता है। एक शोध के अनुसार, आहार में लाल मिर्च को शामिल करने से रक्त वाहिकाओं की ताकत में सुधार होता है और धमनियों में प्लाक कम होता है।

लहसुन

लहसुन का सेवन दिल के स्वास्थ्य के लिए बढ़िया होता है। यह आपकी रक्त वाहिकाओं को आराम देने और ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करने में मदद कर सकता है। अध्ययनों के अनुसार, लहसुन में मौजूद एलिसिन नामक सल्फर यौगिक ब्लड प्रेशर को कम करके और ब्लड फ्लो को बढ़ाकर आपकी रक्त वाहिकाओं को आराम पहुंचाने में मदद करता है। इस वजह से अपने रोज के खाने में लहसुन को जरूर शामिल करें।

अनार

अनार नाइट्रेट्स और एंटी-ऑक्सीडेंट जैसे शक्तिशाली वेसोडिलेटर्स से भरपूर एक रसीला और मीठा फल है। इसके सेवन से ब्लड सर्कुलेशन और मांसपेशियों के टिश्यूज के ऑक्सीकरण में सुधार करने में मदद मिलती है। अनार आपकी रक्त वाहिकाओं को फैलाकर आपके ब्लड प्रेशर को कम करने में भी मदद करता है। एक अध्ययन के अनुसार, 19 सक्रिय लोग जिन्होंने एक्सरसाइज से 30 मिनट पहले 1,000 मिलीग्राम अनार का सेवन किया है, उन्होंने ब्लड फ्लो में वृद्धि होने का अनुभव किया।

चुकंदर

चुकंदर नाइट्रेट से भरपूर होता है, जिसे शरीर अपने आप नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल देता है। यह नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं को आराम देने में मदद करता है और आपके टिश्यूज और अंगों में ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है। एक अध्ययन के अनुसार, हर दिन चुकंदर का जूस पीने से आपका सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर, रक्त वाहिकाओं की सूजन और थक्के बनना कम हो जाता है। चुकंदर का जूस एथलीट के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

हल्दी

हल्दी को करक्यूमिन नामक यौगिक से जीवाणुरोधी और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मिलते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को फैलने में मदद करते हैं और ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करते हैं। कई अध्ययनों के अनुसार, करक्यूमिन नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ाता है और सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा हल्दी का सेवन आपको स्वस्थ और चमकदार त्वचा दिलाने में मदद करता है और खून की गुणवत्ता में भी सुधार करता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

दुनिया की अनोखी प्रतिमा है भगवान राजीवलोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। साक्षात भगवान विष्णु का स्वरूप राजीवलोचन मंदिर में श्रद्धालुगण दिन प्रतिदिन चमत्कार से रूबरू होते रहते है। जानकारी के मुताबिक पुरी दुनिया में ऐसी प्रतिमा नहीं मिलती जो राजिम शहर के प्राचीन मंदिर में स्थापित है। त्रिवेणी संगम तट पर राजीवलोचन मंदिर दो भागों में विभक्त है। पहले परिसर का प्रवेश द्वार पूर्व दिशा की ओर है। द्वार पर दो गज सूड उठाकर स्वागतारत है। ललाट पर सिंह बैठे हुए है। आयताकार क्षेत्र के मध्य भगवान राजीवलोचन का विशाल मंदिर 7वी, 8वीं शताब्दी में बनाया गया है। राजा जगपाल देव ने विष्णु आज्ञा से विशाल मंदिर का निर्माण छने हुए कारीगर से करवाया और चतुर्भुजी श्यामवर्णी प्रतिमा स्थापित की।

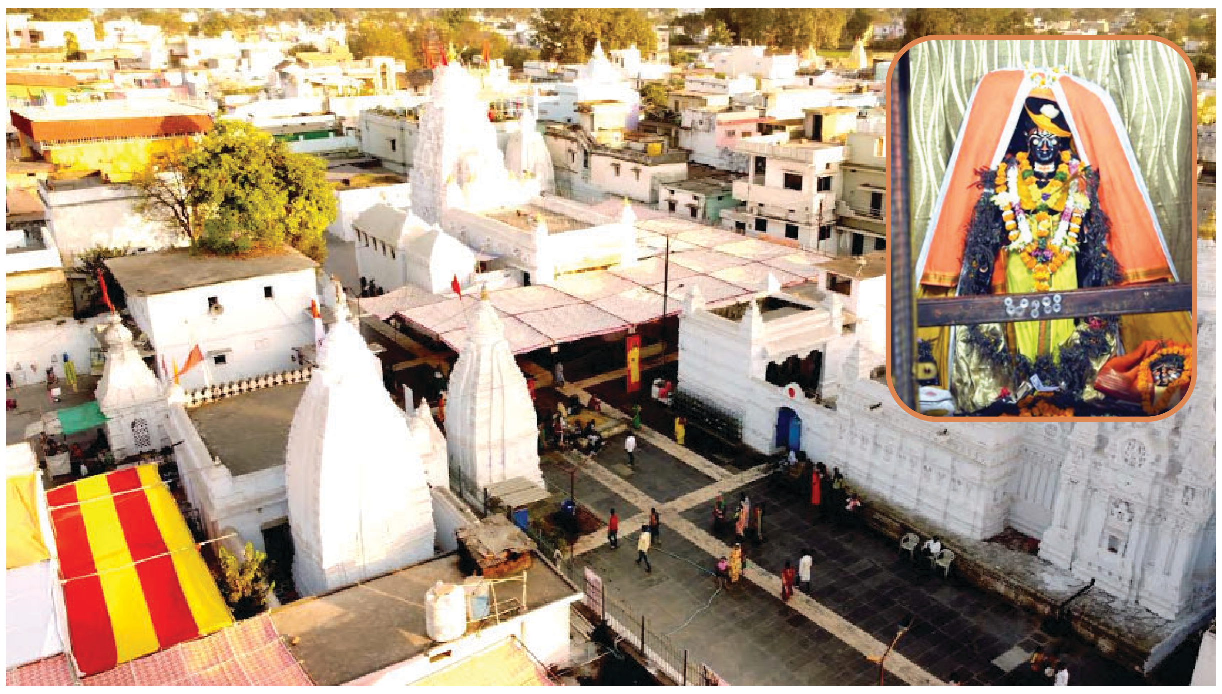

मंदिर के उत्तर, दक्षिण दिशा में आगमन एवं निर्गमन द्वार है। महामंडप खम्भों पर टिका हुआ है। प्रत्येक स्तंभ पर देवी-देवताओं की प्रतिमा प्रस्थापित है। द्वार पर ही गरूड़ देव दोनों हाथ जोड़कर बैठे हुए है। महामंडप में दो शीलालेख उत्कीर्ण है जिससे छश्रसगढ़ की इतिहास के बारे में जानकारी मिलती है। मंदिर में परिक्रमा पथ है।

दिन में तीन बार बदलता भवगान राजीव लोचन का स्वरूप

गर्भगृह में भगवान विष्णु का स्वरूप राजीवलोचन विराजमान है। बतातें है कि इनका स्वरूप दिन में तीन बार बदलता है। सुबह बाल्यावस्था, दोपहर युवा तथा रात्रिकाल में प्रौढ़ा अवस्था को प्राप्त करते है। कुछ महिने पहले प्राईवेट टीवी चैनल ने रूककर चमत्कार पर सर्वे किया। उन्होने पाया कि राजीवलोचन भगवान भोजन ग्रहण करने के लिए उपस्थित होते है। पात्र में परोसा गया भोजन को रखकर गर्भगृह का द्वार बंद कर दिया। कुछ देर बाद खोला तो अन्न के दाने बिखरे हुए थे। इसी तरह रात्रिकाल में शयन करने से पहले भगवान को तेल लगाने की परम्परा है। उनके लिए खाट बिछाया गया, बिस्तर भी लगा। द्वार बंद कर दिया गया। सुबह पट खुला तब बिस्तर बिखरा हुआ मिला तथा कपड़े पर तेल देखा गया। ।

शंख, चक्र, गदा, पद्म धारण

विष्णु सहस्त्रनाम में एक नाम राजीवलोचन अंकित है। भगवान राजीवलोचन अपने चारों हाथ में शंख, चक्र, गदा, पद्म धारण किए हुए है पर्व-त्योहार तथा महत्वपूर्ण तिथियों में भगवान का विशेष रूप से श्रृंगार किया जाता है। बारह महीने में 24 रूप अलग-अलग रूप का जिक्र होता है।

राजिम में अनेक विष्णु मंदिर

राजिम में भगवान राजीवलोचन मंदिर के अलावा अनेक विष्णु मंदिर है जिनमें प्रमुख रूप से आयताकार वर्ग क्षेत्र के चारों कोण में चारोधाम स्थित है। जिनमें वराह अवतार, वामन अवतार, बद्रीनारायण अवतार, नृसिंह अवतार हैं। मंदिर के नीचे मे शाक्षी गोपाल मौजूद है। भगवान का विराट स्वरूप दीवाल पर अंकित है। द्वितीय परिसर में सूर्यनाराण भगवान, चतुर्भुजी भगवान विष्णु के लगभग 5 फिट ऊंची प्रतिमा, मंदिर समूह से बाहर सौ साल प्राचीन लक्ष्मीनारायण मंदिर 6वीं-7वीं शताब्दी में स्थापित रामचन्द्र देवल, छोटे राजीवलोचन मंदिर, गरियाबंद मार्ग में दत्तात्रेय मंदिर इत्यादि है।

राजीवलोचन के साथ जुड़ी राजिम भक्तिन तेलिन माता की कथा

प्रचलित कथा के अनुसार राजिम भक्तिन तेलिन माता अत्यंत सरल एवं सहज स्वभाव की थी। तेल बेचकर वह परिवार का पालन-पोषण करती थी। एक दिन तेल बेचने के लिए नदी से होकर दूसरे किनारे जा रही थी। अचानक एक पत्थर से ठोकर खाकर गिर गई। इससे पात्र में रखा सारा तेल बिखर गया। संभावित डांट फ्टकार के डर से रोने लगी। कुछ समय बाद आंसू पोंछकर घर आने के लिए बर्तन उठाकर देखा तो आवाक रह गई। उस पात्र में तेल लबालब भर गया था। खुशी-खुशी वह तेल बिक्री किया। वापस आकर पुरी जानकारी परिवार जनों को दी। दूसरे दिन तेली परिवार ने उस शीला को उठा कर घर ले आया। पूजा-पाठ से घर का माहौल भावभक्ति से ओतप्रोत हो गया। नरेश वीरवल जयपाल को पता चला और राजिम माता के पास प्रतिमा के लिए याचना किया। उन्होने कहा प्रतिमा को ले जाईये। उनकी बात को सुनकर नरेश बहुंत प्रसन्न हुआ और राजिम के मंशानुरूप प्रतिमा के साथ राजिम शब्द जोड़ दिया गया और उसी दिन से राजीवलोचन को राजिमलोचन कहा जाने लगा।

समय-समय पर राजिम का नाम बदला

राजिम नगरी को अत्यंत प्राचीन बताया जाता है। किंवदंती के अनुसार पहले इन्हें कमलक्षेत्र कहा जाता था। उसके बाद पद्मक्षेत्र फ्रि देवपुरी, राजीवनगर, छोटाकांशी, पंचकोशी धाम, हरिहर की नगरी, राजिम प्रमुख है। राजिम का प्राचीन नाम कमलक्षेत्र पद्मावती पुरी राजीवलोचन मंदिर के नदी जाने के रास्ते के द्वार पर आज भी अंकित है।

मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत राजिम पुन्नी मेला में 150 बेटियों के हाथ हुए पीले

राजिम। पवित्र महानदी, सोंढूर, पैरी के त्रिवेणी संगम के राजीव लोचन मंदिर परिसर में शनिवार को अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब पूरा परिसर विशाल विवाह मंडप में बदल गया था। अवसर था मुख्यमंत्री कन्या सामुहिक विवाह का। इस आयोजन में यहां 150 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। राजिम माघी पुन्नी मेला के अवसर पर यह विशेष पल था जब जिले के गरीब 150 बेटियों के हाथ हजारों लोगों की गवाही में पीले हुए। भगवान श्रीराजीव लोचन और श्रीकुलेश्वर नाथ की पवित्र धरा में बेटियों को समारोह के मुख्य अतिथि प्रथम पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंन्त्री व राजिम विधायक श्री अमितेश शुक्ल, स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारियों का आशीर्वाद मिला। सामूहिक विवाह में छुरा विकासखंड के 38, फिंगेश्वर के 1, मैनपुर के 64, गरियाबंद के 18 एवं देवभोग के 29 जोड़े शादी के पवित्र बंधन में बंधे। गायत्री वैदिक मंत्रोच्चार और रीति रिवाज से विवाह सम्पन्न हुआ। इसके पूर्व वधु एवं वर पक्ष से अधिकारी-कर्मचारी बाराती और घराती बने। वर पक्ष को बाजे-गाजे के साथ स्वागत कर बारात निकाली गई। वहीं वधु पक्ष ने फूल बरसाकर स्वागत किया। पूरा मेला स्थल विवाहमय नजर आ रहा था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अमितेश शुक्ल ने वर-वधु को आशीष और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मेरे लिए एक शुभ अवसर है कि आज राजिम के पवित्र धरा पर सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने बधाई दिया है। उन्होंने कहा कि आज पुण्य कार्य हो रहा है जहां गरीब बेटियों को आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार की जिम्मेदारी बेटियों पर होती है। वे परिवार और समाज को जोड़ कर रखती है। बेटियां शासन की योजना का लाभ उठाकर सक्षम बने। उन्होंने सभी नवदम्पति को उपहार दिए। उन्होंने नवदम्पति को सफ्ल और स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी और जोड़ों को 1-1 हजार का चेक प्रदान किया। श्री शुक्ल ने नवविवाहित को सफ्ल जीवन के लिये मूल मंत्र दिए। एक दूसरे की गलती को नही देखते हुये अच्छाई को स्वीकार करें। सोशल मीडिया का सावधानी से उपयोग करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान और सम्मान के लिए कार्य कर रहे हैं। शासन की योजना का जिक्र कर कहा कि सरकार हर वर्ग का ध्यान रख रही है। उन्होंने सरकार के तरफसे सभी नवदम्पति को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस सामूहिक विवाह के अनुकरणीय पहल के लिए श्री शुक्ल ने स्थानीय प्रशासन को भी बधाई दी।

जनपद अध्यक्ष फिंगेश्वर श्रीमती पुष्पा साहू ने कहा कि हमारे प्रदेश के संवेदनशील मुखिया भूपेश बघेल द्वारा बेटियों की शादी के लिए फिजूलखर्ची रोकने के लिए अनुकरणीय पहल की है। सामूहिक विवाह के लिए योजना से गरीब बेटियों को बड़ी मदद मिली है। जिला पंचायत सभापति श्रीमती मधुबाला रात्रे ने कहा कि कोरोना काल मे यह शादी नही हो पाई थी।। लेकिन अब यह शादी हो रही है। सभी समाज को आगे आना पडेगा। शासन की योजनाओं का लाभ उठाने अपील की और सभी नवविवाहित जोड़े को बधाई दी। गायत्री परिवार के वैदिक मंत्रोच्चार और रीति रिवाज से विवाह सम्पन्न हुआ। इसके पूर्व वधु एवं वर पक्ष से अधिकारी-कर्मचारी बाराती और घराती बने। वर पक्ष को बाजे-गाजे के साथ स्वागत कर बारात निकाली गई। वहीं वधु पक्ष ने फूल बरसाकर स्वागत किया।

छैला बाबू आहि परदेशी बाबू आहि... गीत में जमकर झूमे दर्शक

राजिम। माघी पुन्नी मेला के छठवें दिन मुख्यमंच पर पुरानिक साहू लोककला मंच लहरगंगा ने मां शीतला को स्मरण करते हुए पहली प्रस्तुति दी। अगली कड़ी में ददरियाए करमाए सुआ नृत्य की प्रस्तुति देख लोककला मंच लहरगंगा ने दर्शकों से आशीर्वाद के रूप में खूब तालियां बटोरी। इस लोकमंच का अंतिम प्रस्तुति रेडियो में चलने वाले एक प्रसिद्ध गीत हमर पूछैया कोन्हो नईये गाण्ण्ण्ण् की प्रस्तुति। कार्यक्रम के दूसरे प्रस्तुति रूही साहू पंडवानी गायिका ने कपालिका शैली में जरासंघ वध का वर्णन अपनी शैली में किया। इस पंडवानी में जरासंघ का जन्म और किस प्रकार मृत्यु होती है का वर्णन छत्तीसगढ़ी बोली में किया गया है जिसे दर्शक सुन मंत्रमुग्ध हो गये। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति छैला बाबू आहिण्ण्ण् के रचनाकार हिम्मत सिन्हा की शानदार प्रस्तुति हुई। जिसकी शुरूवात गायत्री मंत्र से हुआ। पावन माटी के रीत है महानण्ण्ण्ण् इस गीत के माध्यम से छत्तीसगढ़ में होने वाले तीज त्यौहारों का वर्णन किया गया है। कार्यक्रम की अगली कड़ी में अपने शीर्षक गीत की प्रस्तुति चले

सरगम की पूरवाईयाण्ण्ण् को सुनकर दर्शक भाव विभोर हो गये। उसके बाद देश भक्ति गीत की प्रस्तुति वंदेमातरम् वंदेमातरम् ने मंच से ही दर्शकों में देश भक्ति की जज्बा जगा दिया। इस गीत के अंत में दर्शक भी भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। माघी पुन्नी मेला का मंच ऐसा मंच है जहां दर्शकों को दीपावली में होने वाली सुआ और दिसंबर माह में होने वाली पंथी नृत्य दोनों एक साथ देखने को मिल जाते है। नैना होगे चार मोर संग होगे मयाण्ण्ण्ण् इस गीत ने युवा वर्ग में एक नई उत्साह भर दी जिससे वे अपनी जगह बैठकर ही तालियों से उत्साहवर्धन किया। लोक सरगम के सबसे प्रसिद्ध गीत छैला बाबू आहि परदेशी बाबू आहिण्ण्ण्ण्ण् की प्रस्तुति दीए जिसे देख दर्शक अपने जगह पर नाचने लगे। इसके बाद लोककला मंच सरगम के द्वारा नाट्क मंचन किया गया। जिसमें एक मिमेक्री कलाकार के द्वारा अभिताभ बच्चनए नाना पटेकरए मिथुन चक्रवर्तीए नरेन्द्र मोदीए लालू यादवए सन्नी देवोल का आवाज निकालकर मंच पर कुछ देर के लिए ऐसा लग रहा था ये सारे बॉलीवूड कलाकार राजिम के मेले में आ गये है। उनकी आवाज सुनकर मेला में घुमने वाले मेलार्थी मंच के समीप आना शुरू हो गये। कार्यक्रम समाप्ति पश्चात कलाकरों का सम्मान केन्द्रीय समिति के सदस्योंए स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। मंच का संचालन निरंजन साहू द्वारा किया गया।

पहनावा में हो लोक संस्कृति की झलकः पुराणिक साहू

राजिम। गुंडरदेही के लहर गंगा लोककला मंच के लोक गायक पुराणिक साहू ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पर्व एवं त्योहार में लोक कला की झलक स्पष्ट रूप से दिखती है। जंवारा, मितान बधने की परंपरा, मेला मड़ाई, लोक त्यौहार, बिहाव, गौरा गौरी, पंथी नृत्य इत्यादि आज भी प्रासंगिक मनोरंजक एवं शिक्षाप्रद है जिन्हें हम लहर गंगा के माध्यम से मंच पर उतारते हैं। लोक कला एवं लोक संस्कृति पर प्रस्तुति देना हमें बहुत अच्छा लगता है। हमारी कोशिश दर्शकों के साथ जोड़ने की होती है ताकि वह कार्यक्रम को अपलक देखते रहे, उबाऊं न लगे। श्री साहू ने आगे बताया कि अपनी संस्कृति को सुंदर ढंग से परोसने का प्रयास करते हैं इसके लिए बहुत मेहनत करना पड़ता है। कार्यक्रम के दौरान गेप ना हो इस बात का ध्यान रखा जाता है। नृत्य पक्ष में कसावट तथा संगीत पक्ष की चुस्त-दुरुस्त मैनेजमेंट पर कसावट होती है। श्री साहू ने लोककला की शुरुआत के प्रश्न पर कहा कि बचपन से ही इस विधा से जुड़ा रहा। कॉलेज जीवन में अर्जुंदा लोक कला मंच ने मुझे आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया। वहां निशुल्क कार्यशाला का आयोजन करते थे। आज भी इस दिशा में कार्य किया जाता है। प्रतिभाएं उभर कर सामने आते थे और इन्हीं लोगों को मिलाकर लहर गंगा को लाया गया। पिछले 10 सालों में लगातार प्रस्तुति दे रहे हैं। शुरुआती दौर पर फ्री में कार्यक्रम देते थे।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार कर रही मेहनत

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। छत्तीसगढ़ में किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार और किसान मेहनत कर रहे हैं। इसके साथ ही किसान खेती के साथ आर्थिक लाभ बढ़ाने के लिए मछली पालन की ओर ध्यान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार भी मछली पालकों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाओं का क्रियान्वयन एवं संचालित कर रही है। राजिम माघी पुन्नी मेला में लगे मत्स्य पालन विभाग के प्रदर्शनी में सरकार द्वारा चलाई जा रही है मत्स्य विभाग की योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभ बता रहे हैं।

गरियाबंद मत्स्य विभाग के निरीक्षक रिया कुजुर एवं कर्मचारी मनमोहन मारकंडे ने बताया कि मत्स्य पालन को बढावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश में कई योजनाएं संचालित है, जिसमें मत्स्य बीज उत्पादन योजना, जलाशयों एवं नदियों में मत्स्योद्योग का विकास योजना, शिक्षण-प्रशिक्षण (मछुआरों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण) योजना, शिक्षण-प्रशिक्षण (मछुआरों का अध्ययन भ्रमण) योजना, पंजीकृत मत्स्य सहकारी समितियों को ऋण/अनुदान योजना, मत्स्य पालन प्रसार अंतर्गत झींगा पालन, मौसमी तालाबों में मत्स्य बीज संवर्धन, नाव जाल या जाल क्रय सुविधा तथा फिंगरलिंग क्रय कर संचयन पर सहायता योजना, मत्स्य विकास पुरस्कार योजना, एक्काकल्चर मत्स्य कृषक विकास अभिकरण योजना, मत्स्य जीवियों का दुर्घटना बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, बचत सह राहत (सेंविंग कम रिलीफ), मछुआ आवास योजना है। कुजुर ने बताया कि फीड मिल स्थापना, मत्स्य बीज हैचरी की स्थापना, तालाबों में रेडिएटर की स्थापना, बर्थ संयंत्र की स्थापना, ऑटो रिक्शा के साथ आइस बॉक्स, मोटरसाइकिल के साथ आइस बॉक्स, साइकिल के साथ आइस बॉक्स, फुटकर मत्स्य विक्रय दुकान की स्थापना, मछुआरों का दुर्घटना बीमा बचत राहत योजना, मछुआ आवास योजना सहित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत अनेकों प्रकार की सहायता राशि प्रदान की जाती है। अधिकारी कुजुर ने बताया कि मछली पालन आय का अच्छा स्त्रोत होने के कारण बहुत से लोग मछली पालन जैसे कार्यों में लगे हुए हैं। छत्तीसगढ़ मछली पालन व्यवसाय के विकास के लिए अनुकूल है क्योंकि यहां नदी, बांध, तालाबों की अधिकता है। यही कारण है कि मछली पालन व्यवसाय में बहुत से लोग जुड़े हुए हैं। छत्तीसगढ़ शासन भी मछली पालन व्यवसाय को बढ़ावा देना चाहती है। इस लिए मछली पालन के साथ-साथ मछली पालन व्यवसाय के जुड़े वस्तुओं, औजारों के लिए लोन मुहैया कराती है। नाव, जाल, मछली बीज संवर्धन, मत्स्य पालन आदि के लिए लोन लिया जा सकता है। कुजुर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कम लागत में ज्यादा आय प्राप्त करना है तो मछली पालन का व्यवसाय सबसे बढ़िया है, परन्तु मछली पालन व्यवसाय से जुड़ी जानकारी के आभाव में बहुत से लोग, इस ओर ध्यान नहीं देते हैं। इस स्टॉल में मछली पालन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जो प्रावधान किये गए है, उन सब के बारे में जानकारी दी जा रही है।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खुर्सीपार हत्याकांड: बड़ी बेटी के लव मैरिज से था नाखुश, पूरे परिवार पर मार दी तलवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शनिवार का दिन खुर्सीपार में एक ऐसी वारदात हुई जिसने हड़कंप मचा दिया। यहां रहने वाले अमरदेव राय ने अपनी पत्नी देवंती राय सहित बड़ी बेटी वंदना सिंह, ज्योति राय व प्रीति राय पर हमला कर दिया। इस हमले में एक बेटी की मौत हो गई और पत्नी व दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गई। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हत्या के बाद खुर्सीपार पुलिस ने आरोपी अमरदेव राय को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने पुलिस के सामने आरोपी अमरदेव राय जो खुलासा किया वह चौंकाने वाला है।

दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने शनिवार को दोपहर बाद इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपनी बड़ी बेटी के लव मैरीज किए जाने से नाराज था। दो साल पहले आरोपी की बड़ी बेटी वंदना सिंह ने पीछे सड़क पर रहने वाले अभिषेक सिंह नाम के युवक से लव मैरीज कर घर से चली गई थी। तब से अमर देव राय खुन्नस में था। कुछ दिनों से अमरदेव राय की पत्नी की तबीयत ठीक नहीं थी। उसका पथरी का ऑपरेशन हुआ था। इस वजह से बड़ी बेटी वंदना सिंह को उसकी बहनों ने घर बुलाया।

करीब दो साल बाद वंदना सिंह अपने बच्चे के साथ मायके पहुंची। पिछले कुछ दिनों से वह मायके में ही रह रही थी। इस बीच दामाद का भी घर पर आना जाना लगा था। इस दौरान अमरदेव राय गाड़ी लेकर गुजरात गया था। अमरदेव राय को जब उसकी बेटियों ने बताया कि उसकी बड़ी बेटी को घर बुलाकर रखे हैं तो वह काफी नाराज हुआ। पत्नी व दोनों बेटियों की इस बात पर वह काफी नाराज हुआ लेकिन उसने गुस्से को दबाए रखा।

तीन दिन पहले बना ली थी हत्या की योजना

आरोपी अमरदेव राय ने तीन दिन पहले की पूरी योजना बना ली थी। गुजरात से लौटने के बाद वह सामान्य ही रहा और इस बीच उसने अपने घर पर रखी तलवार को ट्रांसपोर्ट नगर से धार कराया। योजना के अनुसार आरोपी अमरदेव राय शुक्रवार रात को चिकन लेकर घर पहुंचा। इसके बाद वंदना सिंह ने अपने पति को अभिषेक को कॉल कर खाने पर बुला लिया। शुक्रवार रात को सभी ने साथ बैठकर खाना खाया और इस दौरान दामाद भी घर पर ही था। रात को दामाद घर से चला गया और इधर घर के सभी लोग सो गए।

सुबह 3:30 बजे अमरदेव राय उठा और दूसरे कमरे में सो रहे पत्नी व अन्य बेटियों पर हमला करने पहुंचा। इस बीच पैर लगने से एक बेटी उठी ही थी आरोपी ने ताबड़तोड़ हमला करना शुरू कर दिया। इस दौरान चीख पुकार मच गई। आरोपी ने यह नहीं देखा क्या हो रहा है जो मिला उसे मारना शुरू कर दिया। चीख पुकार सुनकर पड़ोसी पहुंच गए। इधर घटना के बाद आरोपी भागने लगा। इस बीच पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं हत्या में इस्तेमाल किया गया तलवार भी बरामद कर लिया है।

खास खबर

झाड़-फूंक करने वाले बैगा के कत्ल का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

जशपुर (ए)। पुलिस ने जिले के पत्थलगांव में हुए बैगा की हत्या के मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुखी राम ने झाड़फूंक करने वाला बैगा भूखन तिर्की की हत्या कर दी थी।

पुलिस ने कहा कि पड़ोसी सरगुजा जिले के राताखांड़ गांव में रहने वाला आरोपी सुखीराम की पत्नी का इलाज करने वाला बैगा भूखन तिर्की ने झाड़फूंक का इलाज से मरीज को सही कर देने का दावा करते हुए ठीक करने के बदले में दारू, बकरा , मुर्गा एवं पैसा ले लिया झाड़फूंक करने लगा। लेकिन इस इलाज के बाद उसकी पत्नी की हालत और खराब हो गई थी। इसी बात को लेकर उसका भूखन बैगा के साथ विवाद हो गया था और उसने भूखन की थी ड़ंडे से पिटाई कर दी थी।

सड़क किनारे खड़ी ट्रक में घुसी कार, बाप-बेटे की मौत

मुंगेली (ए)। जिले में तेज रफ्तार कार ओव्हर टेक करने के दौरान सड़क किनारे खड़ी ट्रक में जा घुसी और इस भीषण सड़क हादसे में कार चला रहे शख्स और उसके बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। वही चार लोगों को गंभीर चोट आई हैं, जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। ये मामला सरगांव थाना क्षेत्र का है।

जिले के त्रिभुवनपुर में मोहित राजपूत का परिवार निवास करता हैं। मोहित राजपूत अपने रिश्तेदार और बेटे के साथ बिदबिदा में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गया था। दोपहर के वक्त मोहित अपने बेटे करण राजपूत और रिश्तेदार की 4 बेटियों को कार में लेकर वापस घर लौट रहा था। तभी नारायणपुर मुख्य मार्ग पर कार को मोहित राजपूत ट्रक को ओव्हरटेक कर आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी ट्रक में कार जाकर भिड़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चें उड़ गये। इस भीषण दुर्घटना में कार चला रहे मोहित और उसके बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि 17 साल की नीतू और उसकी बहन 16 वर्षीय नेहा सहित मधु और प्रतीमा को गंभीर चोट आई हैं। पुलिस की मदद से सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं, जहां 2 बहनों की हालत काफी नाजुक बताई जा रही हैं।

पत्नी की हत्या कर चार साल से था फरार घर जाने की फिराक में पकड़ाया आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में पत्नी की हत्या कर चार साल से फरारी काट रहा हत्या का आरोपी आखिरकर पुलिस की गिरफ्त में आ गया। जामुल पुलिस को आरोपी का इनपुट मिला था इसके आधार पर पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है आरोपी लंबे समय से घर से बाहर था और अपने घर जाने की फिराक में था। इस दौरान पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली और आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

बता दें 26 मई 2019 के सुबह 5.30 बजे जामुल थाना क्षेत्र फौजी नगर गंगा इंजीनियरिंग के सामने स्थित पुलिया के नीचे नाले में एक अज्ञात महिला की शव मिला था। मृतक महिला की उम्र करीबन 25-30 वर्ष थी। शव की शिनाख्त रजनी देवांगन निवासी शारदा पारा केम्प -2 छावनी के रूप में हुई थी। जांच के दौरान पता चला कि महिला की हत्या उसके पति लोकेश्वर उर्फ लोकश देवांगन ने अपने साथी सूरज देवांगन के साथ मिलकर की थी। इस मामले में जामुल पुलिस ने सूरज देवांगन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं मुख्य आरोपी लोकेश्वर देवांगन फरार हो गया।

दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने फरार आरोपियों की तलाश के लिए सभी थाना प्रभारियों को विशेष निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में जामुल पुलिस लगातार हत्या के फरार आरोपी लोकेश्वर की तलाश में लगी हुई थी। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि पत्नी की हत्या का मुख्य आरोपी लोकेश्वर शारदापारा में देखा गया है। वह लंबे समय बाद अपने घर जाने की फिराक में था। इस बीच पुलिस ने घेराबंदी का आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस पूरी कार्रवाई में जामुल थाना प्रभारी एम याकुब मेमन, सहायक उप निरीक्षक, कुलेश्वर चंद्राकर, आरक्षक विकास सिंह, राधे यादव की भूमिका सराहनीय रही।

मेला जा रहे बाइक सवारों को मेटाडोर ने मारी टक्कर, पति-पत्नी सहित तीन की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले के सकरी थाना क्षेत्र में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। पत्नी व दो बच्चों साथ मेला देखने जा रहे बाइक सवार को मेटाडोर ने ठोकर मार दी। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी व एक बेटी की मौत हो गई। वहीं हादसे में एक बेटी गंभीर रूप से घायल है। घायल बेटी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार बिलासपुर के ग्राम लमकेना निवासी मोहनलाल साहू (35) अपनी पत्नी ईश्वरी साहू (32) और दो बेटी तृप्ति साहू(13) और भगवती साहू(8) के साथ शनिवार को तखतपुर क्षेत्र के बेलपान मेला जाने के लिए निकला था। सुबह 11 बजे के करीब चारों सदस्य उसलापुर ओरवब्रिज से गुजर रहे थे इसी दौरान पीछे से आ रही मेटाडोर ने जोरदार ठोकर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि मोहन लाल व उसकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं उसकी पत्नी ईश्वरी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसकी एक बेटी भगवती बाइक सड़क किनारे गिर गई। हादसे के बाद मेटाडोर चालक भाग निकला। वहीं मौके से लोगों ने डायल 112 को कॉल किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में मोहन लाल व उसकी बेटी तृप्ति की भी मौत हो गई। वहीं 8 साल की बेटी भगवती का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद काफी देर तक सड़क पर जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम को हटाया।

दो दिन से लापता इंजीनियरिंग छात्रा की जंगल में पेड़ पर लटकती मिली लाश

जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में दो दिन से लापता इंजीनियरिंग छात्रा की लाश जंगल में पेड़ पर लटकती मिली। कोरबा की रहने वाली इंजीनियरिंग की छात्रा कॉलेज परिसर में ही हॉस्टल में रहती थी। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस इस पूरे घटना क्रम की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कोरबा जिले के ग्राम बलगी निवासी स्वाति साहू पिता रामपाल साहू (19) कोनी स्थित गर्वमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज (जेईसी) में इंजीनियरिंग की छात्रा थी। 9 फरवरी की सुबह हॉस्टल से निकली तो वापस नहीं लौटी। इसके बाद हॉस्टल प्रबंधन ने परिजनों को इसी सूचना दे दी। इसके बाद लगातार छात्रा की पता तलाश की जा रही थी। पुलिस ने आसपास सीसी टीवी फुटेज भी खंगाले लेकिन कुछ नहीं पता चला।

इस बीच शनिवार कंट्रोल रूम में सूचना मिली कि सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पीछे जंगल में युवती की लाश पेड़ पर लटक रही है। सूचना के बाद कोनी पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा स्वाति के घरवालों को बुलाकर उसकी पहचान कराई। परिजनों ने शव की शिनाख्त स्वाती के रूप में की। साथी छात्राओं का कहना है कि दो दिन बाद सेकेंड सेमेस्टर का एक्जाम था और इस वजह से वह तनाव में थी। इधर कोनी पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद वस्तुस्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सूने मकानों में चोरी, वकील के घर से साड़ियां व स्टील के बर्तन तो निजी कर्मचारी के घर पर सोने चांदी के जेवर ले उड़े चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के मोहन नगर थाना क्षेत्र में सूने मकानों में चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात चोरों ने यहां के एक वकील और नीजी कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी के घर पर चोरी कर दी। वकील के घर से तो चोरों ने स्टील के बर्तव, बिजली के स्विच व मिक्कर ग्राइंडर जैसी चीजें चुरा ली हैं। वहीं निजी कर्मचारी के घर से सोने चांदी के जेवर व अन्य सामान चुराया है। दोनों मामलों में मोहन नगर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज किया है।

मोहन नगर पुलिस के अनुसार नया आमापारा मकान नंबर 570 वार्ड नंबर 12 निवासी वकील शुभम सिंह का एक मकान वार्ड नंबर 12 बैंक कालोनी विजय नगर दुर्ग में भी है। विजय नगर बैंक कालोनी वाले मकान में ताला लगाकर 7 फरवरी 2023 को रात करीबन 10.00 बजे वकील शुभम सिंह काम से बालोद गया था। 11 फरवरी को वकील के दादा टहलते टहलते बैंक कालोनी वाले मकान को देखने गये तो घर का मेन दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखे तो रूम में रखे सब सामान बिखरे हुए पडे थे अलमारी का ताला टूटा हुआ था।

इसके बाद उन्होंने वकील को फोन किया तो वह बैंक कालोनी वाले मकान में पहुंचा। घर अंदर पहुंचकर जांच की तो पता चला कि अलमारी अंदर रखे सामान 5 नग साडियां, स्टील के बर्तन 1 जग, 5 गिलास, 4 नग प्लेट तथा दीवान के अंदर रखे बिजली सामान 2 बंडल वायर, 4 पैकेट माडुलर स्वीच एवं कीचन में रखे मिक्सर ग्राइंडर गायब हैं। इसके बाद वकील ने मोहन नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

शादी में गया था परिवार और इधर हो गई चोरी

एक अन्य मामले में विजय नगर वार्ड नंबर 10 निवासी अशोक यादव के घर पर चोरी हो गई। अशोक यादव अपने परिवार के साथ 5 फरवरी को भांजी की शादी में झाडसूगुडा गये थे। शादी के बाद 9 फरवरी को वापस पहुंचे तो देखा कि ताला टूटा हुआ था। बेडरूम में रखे अलमारी का दरवाजा खुला था और लाकर टूटा हुआ था। चोर ने अलमारी में रखे एक नग सोने का हार, एक नग सोने का टीका, दो नग सोने का कंगन, एक नग सोने की चैन, दो नग सोने की अंगूठी, एक नग सोने का नाक की नथनी, दो नग सोने का कान का फूल, दो नग सोने का कान की बाली, चार नग सोने की टाप्स, तीन नग सोने का लाकेट, एक नग सोने की बिंदी, एक नग चांदी का डरकस, पाच जोडी चांदी का पायल, तीन जोडी चांदी का छागल, एक नग चांदी की अंगुठी, दो नग चांदी की ङिबछिया, पाच नग चांदी का सिक्का एवं नगदी रकम 30000 रुपए चुरा ले गए। सोना चांदी की बाजार में कीमत लाखों में है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

संयंत्र के फौलादी कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन राशि मिले बीएमएस

भिलाई। संयंत्र के फौलादी कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन राशि मिले बीएमएस भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारी बीएमएस कार्यालय में शाम को 5:30 बजे एकत्रित होकर अपने विभाग में व्याप्त विषयों को उपस्थित कर्मचारियों ने रखा आज उपस्थित कर्मचारियों में प्रमुख रूप से बी आर एम यू आर एम प्लेट मिल मर्चेंट मिल के कर्मचारी प्रमुख रूप से शामिल थे कर्मचारियों ने कहा कि हम सभी ने एकत्रित होकर मिलजुल कर पूरी मेहनत और पूरे साहस के साथ संयंत्र की उत्पादन लक्ष्य को पूरा किया किंतु प्रबंधन द्वारा किसी भी प्रकार का प्रोत्साहन राशि नहीं दिया है सबसे निराशाजनक यह है कि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि तथा प्लांट के नवीनीकरण होने के बाद भी अभी तक नया इंसेंटिव स्कीम नहीं बनाया गया है जिससे कर्मचारी निराश रहते हैं कर्मचारियों की मांग है जी उन्हें बड़े बेहतर आवास दिए जाएं ठ्ठ4 तक के क्वार्टर का सब्जेक्ट एजुकेशन सभी के लिए उपलब्ध हो बीआरएम के कर्मचारियों ने विभाग में वाटर कूलर लगाने की मांग की है आज की बैठक में प्रमुख रूप से महामंत्री रवि शंकर सिंह जी कार्यकारी अध्यक्ष चन्ना केशलू उपाध्यक्ष हरिशंकर चतुर्वेदी वशिष्ट वर्मा रवि चौधरी शारदा गुप्ता दीनानाथ उषा कर चौधरी रोहित सिंह गौरव सिंह उपस्थित थे।

15 फरवरी को सामूहिक अवकाश पर रहेंगे कर्मचारी

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर प्रदेश के सभी स्वास्थ्य कर्मचारी 24 सूत्रीय मांगों को लेकर 15 फरवरी को सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इस संबंध में मुख्यमंत्री सहित संबंधितों को सूचना दे दी गई है। संघ के नेताओं ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मचारियों के कारण उनकी क्षमता और योगदान से छत्तीसगढ़ शासन को स्वास्थ्य क्षेत्र में कई बार देश में उच्च स्थान प्राप्त हुआ है, लेकिन अपनी वाजिब मांगों को शासन के समक्ष बार-बार रखने पर भी शासन द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है। कर्मचारियों ने विभिन्न मांगें रखी है।

कड़े परिश्रम के बाद भी कर्मियों के लिए नई इसेंटिव स्कीम नहीं

भिलाई। बीआरएम, यूआरएम, प्लेट मिल, मर्चेंट मिल के कर्मचारियों ने शनिवार शाम को बीएमएस कार्यालय में एकत्रित होकर अपने विभागों में व्याप्त समस्याओं को यूनियन प्रतिनिधियों के सामने रखा। उन्होंने बताया कि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि और प्लांट के नवीनीकरण होने के बाद भी अभी तक नया इंसेंटिव स्कीम नहीं बनाया गया है। इससे कर्मचारी निराश हैं। बीआरएम के कर्मचारियों ने विभाग में वाटर कूलर लगाने की मांग की। बैठक में महामंत्री रविशंकर सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष चन्ना केशवलू, उपाध्यक्ष हरिशंकर चतुर्वेदी, वशिष्ट वर्मा, रवि चौधरी, शारदा गुप्ता दीनानाथ, उषाकर चौधरी, रोहित सिंह, गौरव सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा पदाधिकारियों की बैठक

दुर्ग। दुर्ग शहर विधानसभा के नवनियुक्त प्रभारी एवं अविभाजित दुर्ग जिला भाजपा संगठन के जिला अध्यक्ष पूर्व विधायक प्रीतम साहू के प्रथम आगमन पर जिला भाजपा कार्यालय में उनके स्वागत पश्चात बैठक हुई, जिसमें विधानसभा में निवासरत प्रमुख पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों महामंत्रियों के साथ-साथ बैठक में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री सुरेंद्र कौशिक, उपाध्यक्ष विनायक नातू, अलका बाघमार, मंत्री आशीष निंमजे, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं डोंगरगढ़ विधानसभा प्रभारी अजय तिवारी उपस्थित रहे। मंचासीन अतिथियों द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक की शुरुआत हुई।

वर्ष के प्रथम नेशनल लोक अदालत में कुल 16090 प्रकरण हुए निराकृत

समझौता राशि 10 करोड़ 92 लाख 34 हजार रूपये रहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला न्यायालय एवं तहसील न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। दुर्ग जिले में जिला न्यायालय दुर्ग, व्यवहार न्यायालय भिलाई-3 एवं व्यवहार न्यायालय पाटन तथा किशोर न्याय बोर्ड, श्रम न्यायालय व स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐं) दुर्ग में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ मॉ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्जवल कर प्रातः 10:30 बजे किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री नरेन्द्र सिंह चावला, प्रथम अपर जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार तामक, एवं समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत हेतु कुल 33 खण्डपीठ का गठन किया गया । परिवार न्यायालय दुर्ग हेतु 03 खण्डपीठ जिला न्यायालय दुर्ग हेतु 24 तहसील न्यायालय पाटन हेतु 01 खण्डपीठ, तहसील न्यायालय भिलाई-3 हेतु 02 खण्डपीठ, किशोर न्याय बोर्ड हेतु 01 श्रम न्यायालय हेतु 01 तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐं) दुर्ग हेतु 01 खण्डपीठ खण्डपीठ का गठन किया गया।

नेशनल लोक अदालत में कुल 3136 न्यायालयीन प्रकरण तथा कुल 12954 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकृत हुए जिसमें कुल समझौता राशि 10 करोड़ 92 लाख 34 हजार रूपये रहा। निराकृत हुए प्रकरण में 510 दांडिक प्रकरण, क्लेम के 33 प्रकरण, पारिवारिक मामलें, 102 चेक अनादरण 210 के मामले व्यवहार वाद के 35 मामलें, किशोर न्याय बोर्ड के 89 मामले श्रम प्रकरण के कुल 24 मामले

तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐं) दुर्ग के कुल 157 मामलें निराकृत हुए।

इस वर्ष के प्रथम नेशनल लोक अदालत में निराकृत प्रकरण के कुछ महत्वपूर्ण प्रकरण रहे। कुल 33 मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों में पक्षकारों को लगभग 2 करोड़ रूपये से अधिक राशि की क्षतिपूर्ति हेतु आदेशित किया गया।

भूमि का कब्जा वादी को प्रदान किये जाने प्रस्तुत निस्पादन का निराकरण खण्डपीठ क. 02 पीठासीन अधिकारी श्री संजीव कुमार टामक के खण्डपीठ में पटवारी हल्का नंबर 60ध्04 वर्तमान 58, भिलाई 03 पाटन जिला दुर्ग स्थित खसरा नंबर 426, 447, 448/ 02, 428, 448/04, 479, विक्रय किये जाने के संबंध में उभयपक्ष के मध्य निस्पादित विकय लेख निस्पादन वाद भूमि का कब्जा वादी को प्रदान किये जाने प्रस्तुत उक्त मामले पर उभयपक्षों द्वारा आपसी राजीनामा के आधार पर प्रकरण वापस लिया गया।

गुजरात में रहने वाले दो महिला पड़ोसियों द्वारा 11 फरवरी को आयोजित नेशनल लोक अदालत हेतु जारी नोटिस के पालनार्थ आज खण्डपीठ क. 07, पीठासीन अधिकारी श्री संतोष ठाकुर सी. जे. एम. दुर्ग के खण्डपीठ में उपस्थित होकर आपराधिक दर्ज मामले में आपसी सुलह एवं समझौता कर आपसी राजीनामा कर मामला समाप्त किया गया। 04. नेशनल लोक अदालत में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ प्रकरण में राजीनामा। खण्डपीठ क्र. 08 के पीठासीन अधिकारी ताजुद्दीन आसिफन्यामजि प्रथम श्रेणी दुर्ग. के खण्डपीठ में अपराध अंतर्गत धारा 294, 506 (2) 323/34 भा. द. विधान में प्रार्थी एवं आहत ने वर्चुअल मोड द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अभियुक्तगणों से समझौते का निवेदन कर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से व्यक्त किया कि वह टाटा मेमोरियल हास्पिटल जमशेधपुर में है और वह अभियुक्तगणों से समझौता करना चाहता है।

उक्त मामले में एक अभियुक्त हैदराबाद से तथा एक अभियुक्त पुणे से आया था। उक्त मामले में वर्चुअल मोड द्वारा समझौता आवेदन स्वीकार कर अभियुक्तगण को राजीनामा के आधार पर दोषमुक्त किया गया।

आवास ऋण शिविर में अधिकांश लोगों ने भागीदारी निभाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा मोर मकार-मोर चिन्हारी तथा मोर मकान मोर आस में पात्र आवेदकों तथा हितग्राहियों के लिए दो दिवसीय ऋण शिविर का आयोजन डाटा सेंटर,सेंट्रल लाइब्रेरी में किया जा रहा है।

शिविर के प्रथम दिन कुल 86 आवेदकों द्वारा आवास ऋण लेने हेतू अपने-अपने दस्तावेजो का परीक्षण उपस्थित बैंक अधिकारीयो से करवाया जिसे अधिकांश लोग द्वारा ऋण लेने हेतू अपनी सहमति व्यक्त की गई है जिसके दस्तावेजो का परीक्षण बैंकर्स द्वारा आगामी सप्ताह में किया जावेगा।15 पात्र आवेदकों द्वारा स्वयं से आवास की राशि अदा करने की बात कही गई।शिविर में आयुक्त लोकेश चंद्राकर द्वारा आवेदकों एवं बैंक अधिकारियो से पृथक-पृथक चर्चा की गई और ऋण प्रक्रिया में तेजी लाने निर्देशित किया गया। इस दौरान नोडल अधिकारी एस.डी. शर्मा ने भी बैंक अधिकारियों से ऋण स्वीकृति प्रक्रिया का सरलीकरण करने हेतु अनुरोध किया गया।नगर पालिक निगम महापौर धीरज बाकलीवाल और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने लोगों से अपील की गई है कि संभावित अगली लॉटरी फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में किया जाना अतः इसके पूर्व प्रथम किश्त की राशि शीघ्र जमा करते हुए, अपना खुद का पक्का आवास सुरक्षित करवाएं।कल दिनांक 12 फरवरी दिन रविवार को लोगों को सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिविर जारी रहेगा।

श्री दक्षिणेश्वर (शत्रुहन्ता) हनुमान मंदिर सी मार्केट सेक्टर-6 में स्थापना दिवस पर हुआ हवन व महाभंडारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री दक्षिणेश्वर (शत्रुहन्ता) हनुमान मंदिर सी मार्केट सेक्टर-6 का 23 वां स्थापना दिवस रविवार को धूमधाम से मनाया गया। 23 वें स्थापना दिवस के मौके पर मंदिर में विविध आयोजन किए गए। इस मौके पर सुबह हनुमान महाराज का महाभिषेक किया गया जाएगा। हवन व महाआरती के साथ महाभोग वितरण किया । इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए।

मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित अंबरीश चंद्र शुक्ला (पुत्तन महाराज) ने सभी भक्तों के साथ हवन पूजन संपन्न कराया।श्री दक्षिणेश्वर (शत्रुहन्ता) हनुमान मंदिर सी मार्केट सेक्टर-6 के स्थापना दिवस कार्यक्रम के सुबह 5 बजे श्री हनुमान महाराज का अभिषेक किया गया। इस दौरान सुबह से ही भक्त मंदिर पहुंचे। अभिषेक के बाद विशेष पूजा अर्चना की गई। दोपहर 12 से 2 बजे के बीच हवन व महाआरती की गई।

महाआरती के बाद श्री दक्षिणेश्वर (शत्रुहन्ता) हनुमान मंदिर सी मार्केट सेक्टर-6 परिसर में महाभोग वितरण किया गया। महाभोग के लिए हजारों की संख्या में भक्त पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया।

भोले बाबा की बारात के लिए बांटे गए 31000 आमंत्रण कार्ड, प्रदेशभर से आएंगे श्रद्धालु

आयोजन का 15वां वर्ष, इस बार भी धूम-धाम से निकलेगी बाबा की बारात

बनेंगे बाराती, लक्ष्मीनारायण वार्ड में दया सिंह समिति के लोगों ने दिया बारात का न्यौता

18 फरवरी को निकलेगी भोले बाबा की बारात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिवमय होने के लिए भिलाई तैयार है। 18 फरवरी को महाशिवरात्रि है। उस दिन भिलाई में भोले बाबा की बारात निकलेगी। यह दिन भिलाई के लिए ऐतिहासिक दिन है। हर साल की तरह इस साल भी बोल बम एवं कल्याण समिति की ओर से भोले बाबा की बारात निकाली जाएगी। यह आयोजन का 15वां वर्ष है। 15 वर्षों से भिलाई के लोग बाराती बनते हैं। इस साल दुर्ग-भिलाई के अलावा प्रदेशभर से श्रद्धालु आएंगे जो महाशिवरात्रि के दिन भोले बाबा की बारात में साक्षी बनेंगे और बाराती बनेंगे।

समिति के अध्यक्ष व उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने बताया कि, आयोजन को लेकर पूरी तैयारी हो गई है। समिति के सदस्यों को जिम्मेदारी बांटी गई है। वार्ड-44 लक्ष्मीनारायण वार्ड से पार्षद भी हूं तो वहां की जनता को भी आमंत्रण दिया गया। हालांकि, पहले ही लोगों को न्यौता दिया गया था। नारी शक्ति की प्रतिक महिलाओं के साथ हमने आमंत्रण कार्ड का वितरण किया है। लक्ष्मीनारायण वार्ड 44, बापू नगर वार्ड 43, बालाजी नगर वार्ड 45, दुर्गा मंदिर वार्ड, शास्त्री नगर वार्ड मे कार्ड वितरण किया गया।

राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारी समेत जनता को बांटे गए कार्ड : आमंत्रण कार्ड से लेकर आयोजन में होने वाले भव्यता को लेकर हर मोर्चे पर दया सिंह की टीम लगातार काम कर रही है। राज्यपाल, पूर्व सीएम, पूर्व मंत्री समेत तमाम राजनेताओं को आमंत्रण कार्ड देने के बाद दया सिंह व उनकी टीम ने दुर्ग कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा, भिलाई कमिश्नर रोहित व्यास और जोन कमिश्नर समेत तमाम

जीर्णोद्वार कृत श्री आदिनाथ जिन मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां चरम पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर के हृदय स्थल गांधी चौक सदर बाजार मे परमात्मा आदिनाथ जी का जीर्णोद्धारित जैन मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 18 फरवरी को है। प्रतिष्ठा कमेटी के महामंत्री सीए पदम बरडिया ने बताया की आगामी 12 फरवरी से 19 फरवरी तक आठ दिन का महामहोत्सव आयोजित है,जिसमे संपूर्ण भारत वर्ष से अतिथियों के आने के समाचार मिल रहे है।

प्रतिष्ठा कराने मंदिर निर्माण के प्रेरणादाता प्रतिष्ठाचार्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्रीजिन मणिप्रभसुरिश्वर जी म.सा., एवम खरतरगच्छाचार्य श्रीजिन पीयूषसागर सूरीश्वरजी, गणाधीश श्री विनय कुशल मुनीजी म.सा. आदि 70 ठाणा साधु साध्वियो सहित दुर्ग पधार रहे है। प. पू. खरतरगच्छाचार्य श्रीजिन पूर्णानंदसागरसूरीश्वर म.सा.के भी महोत्सव में पधारने की पूरी संभावना है। मूर्तिपूजक संघ का दुर्ग में बहुत प्राचीन इतिहास है।पहले एक कमरे में मंदिर था,समय के साथ एवम संघ में वृद्धि होने पर सर्वप्रथम मंदिर सन 1959 में बनाया गया था।समय के साथ साथ संघ का विकास होते गया तो बड़े एवम शिखरबद्ध मंदिर की आवश्यकता महसूस की जाने लगी। समय समय पर गुरु भगवंतो ने भी नूतन मंदिर के निर्माण की प्रेरणा दी,और इसी प्रेरणा को वर्ष 2016 के चातुर्मास में बल मिला,उस समय वर्तमान आचार्य खरतरगच्छाधिपति श्री जिन मणिप्रभसूरीश्वर जी म.सा. ने प्रेरणा दी,तत्कालीन ट्रस्ट मंडल ने तुरंत निर्णय लेते हुए जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ किया। दिसंबर 2017 को भूमिपूजन के साथ कार्य प्रारंभ हुआ और अब 18 फरवरी को भव्य प्रतिष्ठा 70+ साधु साध्वियों की पावन निश्रा में संपन्न होने जा रही है। श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ दुर्ग के अध्यक्ष महेंद्र दुग्गड, मंत्री प्रकाश गोलछा, प्रतिष्ठा समिति के संयोजक नरेंद्र चोपड़ा बबला,संतोष लोढ़ा,कांतिलाल बोथरा प्रतिदिन प्रत्येक समिति से चर्चा करके कार्य सफलता पूर्वक संपन्न हो।

एआईएमओसी-2023 में गंभीर चिकित्सकीय विषयों पर व्याख्यान तथा प्रस्तुतिकरण सत्रों का हुआ आयोजन

चिकित्सकों के साथ-साथ मरीज भी होंगे लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निवास में अखिल भारतीय स्टील मेडिकल ऑफिसर्स कान्फ्रेंस 2023 के तहत चिकित्सकीय क्षेत्र के विभिन्न विषयों पर अलग-अलग सत्र आयोजित किये गये। कान्फ्रेंस के इन सत्रों में चिकित्सा जगत के ख्यातिलब्ध चिकित्सकों ने शिरकत की।

आयोजन समिति के सचिव डॉक्टर सुबोध साहा ने अखिल भारतीय स्टील मेडिकल ऑफिसर्स कान्फ्रेंस 2023 के उपादेयता पर प्रकाष डालते हुए बताया कि इस कान्फ्रेंस में चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में गुणात्मक उन्नयन लाने हेतु पेपर प्रस्तुतिकरण के साथ-साथ गहन विचार-मंथन किया गया जो कि चिकित्सा जगत के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। इसमें आयोजित विभिन्न सत्रों में चिकित्सकों ने आपसी अनुभव को साझा किया। इन सत्रों से जहां चिकित्सको को बेहतर चिकित्सा करने में मदद मिलेगी वहीं मरीजों को उत्कृष्ट चिकित्सा का लाभ होगा। इस कान्फ्रेंस में विभिन्न सत्रों के आयोजन के साथ-साथ चिकित्साजगत के लेटेस्ट ट्रेंड तथा गंभीर विषयों पर विषेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए। इन व्याख्यानों से इस कान्फ्रेंस ने एक नई ऊँचाई प्राप्त की है। आज का सत्र टीक्यूएम पेपर अवार्ड सत्र के साथ प्रारंभ किया गया। जिसमें 6 वैज्ञानिक पेपर प्रस्तुत किए गए, इस सत्र की अध्यक्षता जेएलएन अस्पताल व अनुसंधान केन्द्र के पूर्व विभागाध्यक्ष (पीडियाट्रिक्स) एंव प्रतिष्ठित डॉ पी के बिस्वाल और टाटा हास्पिटल के डॉ सुधीर राय ने किया। इस सत्र में आरआईएनएल के डॉ जी शांति ने कोविड-19 संक्रमण की प्रतिक्रिया में स्वास्थ्य देखभाल गुणवत्ता सुधार में चुनौतियां- एक वीएसजीएच मॉडल विषय पर प्रस्तुति दी। इसी क्रम में टाटा मेन हॉस्पिटल, जमशेदपुर के डॉ भूपेंद्र कुमार गुप्ता ने टाटा मुख्य अस्पताल के नियोनेटोलॉजी यूनिट में कंगारू मदर केयर की अवधि में सुधार-एक गुणात्मक सुधार अध्ययन विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के क्रम में बोकारो जनरल अस्पताल, झारखंड के डॉ राजीव कुमार सिंह ने आपातकालीन स्थिति में एक लागत प्रभावी अभिनव बबल सीपैप प्रणाली-नवजात देखभाल में एक टीक्यूएम एप्लीकेषन विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। इसी प्रकार राऊरकेला स्टील प्लांट के डॉ मनोरंजन सामंतराय ने घुटने की सर्जरी से नीचे के इलेक्टिव से गुजर रहे रोगियों के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित संयुक्त साइटिक-फेमोरल नर्व ब्लॉक बनाम स्पाइनल एनेस्थीसिया के बीच एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन विषय पर अपने विचार रखें। इस्को, बर्नपुर के डॉ जितेंद्र पांडे, द्वारा स्पाइनल एनेस्थेसिया में बुपीवाकाइन में डेक्समेडेटोमिडाइन मिलाकर मरीजों के आराम में सुधार और लागत में कमी- टीक्यूएम की दिशा में एक लक्ष्य पर प्रस्तुति दी।

भिलाई की डॉ आकांक्षा शर्मा ने अस्पताल में संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण प्रथाओं पर गुणवत्ता प्रबंधन उपकरणों का कार्यान्वयन विषय पर अपने विचार रखें। इस चिकित्सकीय सत्र के पश्चात गेस्ट लेक्चर के रूप में यूनाइटेड नेशन आफिस के टेक्निकल एडवाइसर आन इनवायरमेन्ट एण्ड हेल्थ के डॉक्टर टी के जोशी और प्रोफेसर आफ एक्सीलेंस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर अचल गुलाटी द्वारा ईएनटी और ऊपरी श्वशन मार्ग से संबंधित व्यावसायिक और पर्यावरण प्रदूषण पर व्याख्यान दिया गया।

मोर मकान मोर चिन्हारी घटक के अंतर्गत आवासों से हटाए अवैध कब्जा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत आम्रपाली हाउसिंग बोर्ड, रजत बिल्डर्स शांति नगर कोहका, स्वप्निल बिल्डर्स कुरूद के निर्मित आवासों में विभिन्न योजना स्थल, केनाल रोड तथा अन्य विकास कार्यों से प्रभावित परिवारों को आवास आबंटित किया गया है।

लेकिन कुछ लोग अवैध रूप से बिना अलॉटमेंट के भी आवासों में निवास कर रहे है, जबकि इन्हे भिलाई निगम ने आबंटन नही किया है। इन आवासों में अवैध रूप से निवासरत परिवारों को पूर्व में आवास रिक्त करने का सूचना पत्र जारी किया गया है, किंतु उनके द्वारा आवास खाली नहीं किया गया है। सभी अवैध कब्जा धारियों को अवगत कराया जाता है कि वह आवासों से अपना अवैध कब्जा रिक्त कर लेवे अन्यथा निगम एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त दल द्वारा आवासों को रिक्त कराने की कार्यवाही की जाएगी तथा इसकी संपूर्ण जवाबदारी अवैध कब्जाधारियों की होगी। योजना शाखा के प्रभारी अधिकारी विद्याधर देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के मोर मकान मोर चिन्हारी घटक अंतर्गत शासन से स्वीकृत परियोजना 444 यूनिट एएचपी आवास का निर्माण किया गया है। कुछ लोगों के द्वारा निर्मित आवासों में अवैध रूप से निवास किया जा रहा है, इसे लेकर निगम प्रशासन अब सख्ती से कार्रवाई करेगी और अवैध कब्जा को खुद से नहीं हटाने पर निगम एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा अवैध कब्जा को रिक्त कराने का काम किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950